



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 350]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 9, 1992/ज्येष्ठ 19, 1914

No. 350]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 9, 1992/JYAISTHA 19, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## कृषि मंत्रालय

(गण पालन तथा डेरी विभाग)

अधिसूचना,

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.प्र. 405 (अ) :- केंद्रीय सरकार को यह राय है कि लोक-  
हित में कोशिश कियानिटी दूध की पूर्ति को बनाए रखने और इसमें  
बृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि दूध और दुग्ध उत्पादों के उत्पादन  
पूर्ति तथा वितरण को विनियमित करने के लिए उपबंध किया जाए।

अतः, अब, केंद्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955  
का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए निम्न-  
लिखित आदेश कर्ता है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दूध और दुग्ध उत्पाद आदेश  
1992 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएं :-

इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) "अधिनियम" से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955  
का 10) अभिप्रेत है;

(ख) "बोर्ड" से पैरा 3 के अर्थात् गठित दूध और दुग्ध उत्पाद  
समाहकार बोर्ड अभिप्रेत है ;

(ग) "दुग्ध और दुग्ध उत्पाद का कारबार" से दूध और दूध  
उत्पाद का विक्रय और क्रय अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत दूध  
या दुग्ध उत्पाद को विनिर्माण, प्रसंस्करण, उठाई-धोलाई या  
नियंत्रण भी है ;

(घ) "सम्यक्" से दूध और दुग्ध-उत्पाद समाहकार बोर्ड का अभ्यर्थ  
अभिप्रेत है,।

(ड) "नियंत्रक" से धारा 12 के अधीन नियुक्त भारत सरकार का अधिकारी अभिप्रेत है;

(च) "बुग्ध" से गाय, भैंस, भेड़, पकरी का दूध या इनका मिश्रण, चाहे बहू कच्चा या किसी भी ढंग से प्रसंस्कृत हो, अभिप्रेत है और इनमें अंतर्गत पाश्चर्यीकृत गोमयनाजित पुनः संयोजित, मृत्युकारित, अम्लीकृत, मखनित, टोन्ड, टबन टोंड, मानककृत या पूर्ण मलाई युक्त दुग्ध का है ;

(छ) "बुग्ध उत्पाद" से निम्नलिखित अभिप्रेत है :— प्रोम, मलाई, तह्ना, मखनियोगर्ट, तथा दूध का बमो, ओवरलैट, पॉवर या डेय, मखनिया दूध का पनीर या छेना, चूज, संसाधित चीज और चूज स्प्रेड, आइसक्रीम, मिश्रित आइस, संघनित दूध (मधुनित और अमधुनित), संघनित मखनिया दूध (मधुनित और अमधुनित), संपूर्ण दूध चूर्ण, मखनिया बुग्ध चूर्ण, भागत मखनिया बुग्ध चूर्ण, खोया, रबडी, कुल्फी, कुल्फा, केमिन, खोया से बनी मिठाई, पनीर, छेना, मिणु, बुग्ध प्राइम, टेबल मखन, देसी मखन, का या बटर प्रायन और इसके अंतर्गत कोई अन्य पदार्थ, जिनमें गुणक भार के आधार पर दूध के ठोस पदार्थ (मिलाई गई चीनी को छोड़कर) या किसी अन्य पदार्थ का, जिसे केन्द्रीय सरकार अधिसूचना द्वारा बुग्ध उत्पाद घोषित करे, कम से कम 50 प्रतिशत हो ;

(ज) "निराश श्रेष्ठ" से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक द्वारा दूध या बुग्ध उत्पाद के संग्रहण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा भौगोलिक रूप से सीमांकित कोई भी क्षेत्र अभिप्रेत है ;

(झ) "बुग्ध उत्पादक" से बिक्रय के लिए या उसके किसी बुग्ध उत्पाद में संपरिवर्तन के लिए आणवित दूध के उत्पादन के लिए गाय, भैंस, भेड़ या पकरी का स्वामी या इसे रखने वाला व्यक्ति या अन्यथा ऐसा व्यक्ति जिसका उम्र पर निर्वतंग हो अभिप्रेत है ;

(न) "बुग्ध ठोस पदार्थ" से दूध के अजल संघटक अभिप्रेत हैं और इसमें बुग्ध-बमा और गैर बसा बुग्ध संघटक, या तो एकक रूप में या किसी अनुपात में संयोगिक रूप में सम्मिलित हैं ;

(ट) "रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र" से इस अधिनियम के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;

(ठ) "मखन प्राधिकारी" से इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने पैरा 31 के तहत पैरा (2) के उपबन्धों के अध्वधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त या पदनामित प्राधिकारी अभिप्रेत है ;

(ड) "अनुसूची" से इस अधिनियम से संबंधित अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. दूध और बुग्ध उत्पाद सलाहकार बोर्ड :

(1) केन्द्रीय सरकार, इस अधिनियम के प्रारम्भ होने के पश्चात् अथवा शीघ्र परन्तु प्रारम्भ होने के 180 दिन पश्चात् नहीं, राज्यसभ में अधिसूचना द्वारा बोर्ड का गठन करेगी जिसे दूध तथा बुग्ध उत्पाद सलाहकार बोर्ड कहा जाएगा और जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगा, अर्थात् :-

(I) सरकारी सदस्य :

(क) मन्त्रि, भारत सरकार, अध्यक्ष  
पशुपालन तथा डेरी विभाग, कृषि मंत्रालय,  
(पदेन)

(ख) संयुक्त सचिव, भारत सरकार,  
भारताधिक डेरी विकास,  
पशुपालन तथा डेरी विभाग,  
कृषि मंत्रालय ।  
(पदेन)

(ग) संयुक्त सचिव, भारत सरकार  
औद्योगिक विकास विभाग, उद्योग मंत्रालय  
(पदेन)

(घ) संयुक्त सचिव, भारत सरकार  
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय,  
(पदेन)

(ङ) तत्पर महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा,  
भारत सरकार  
(पदेन)

(च) निदेशक, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान,  
करनाम  
(पदेन)

(छ) प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आनंद  
(पदेन)

(ज) प्रबंध निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी, आनंद  
डेरी संघ  
(पदेन)

(II) गैर सरकारी सदस्य :

(क) सहकारी डेरी क्षेत्र में दो प्रतिनिधि ।

(ख) प्राइवेट सेक्टर में दूध या बुग्ध उत्पाद के कारखानों में नौ व्यक्तियों में से दो प्रतिनिधि ।

(III) बोर्ड के सचिव

(1) केन्द्रीय सरकार बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों और सदस्य-सचिव की नियुक्ति अधिसूचना द्वारा तब तक करेगी ।

(2) सदस्य सचिव और गैर-सरकारी सदस्यों की नियुक्ति के निबन्धन और शर्तों के अधीन जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर अध्यागत करे ।

(3) कोई गैर सरकारी सदस्य और सदस्य सचिव अध्यक्ष को सूचनाित निम्न सूचना देकर अपने पद से त्यागपत्र दे सकेंगे ।

(4) अध्यक्ष की अनुपस्थिति में या उस अध्यक्ष के लिए जब कोई अध्यक्ष नहीं है जैसी भी स्थिति हो, कृषि मंत्रालय में पशुपालन और डेरी विभाग में डेरी विकास का भारताधिक भारत सरकार का संयुक्त सचिव बैठक की अध्यक्षता करेंगे या अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे ।

(5) एक कलेंडर वर्ष में बोर्ड की कम से कम चार बैठकें होंगी ।

(6) यदि बोर्ड में किसी गैर सरकारी सदस्य का मृत्यु, पदत्याग या अन्य कारणों से कोई रिक्ति होती है, तो इस प्रकार हुई रिक्ति की उपपेक्षा (2) के उपबन्धों के अनुसार भरा जाएगा और इस प्रकार नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति तब तक उस पद को धारण करेगा जब तक कि उस गैर-सरकारी सदस्य ने पद धारण किया होता जिसके स्थान पर उसे मनोनीत किया गया है ।

(४) बोटों को श्रद्धा के लिए, कीर्तन पास होगा ।

(७) बाड़े जैसा उपयुक्त समय, प्राप्ति कार्यवाही तथा मकानों के परस्पर किसी विषय पर जहाँ कोई के मन समाप्त रूप से दायाताओं में विभाजित हो जाये, वहाँ प्रत्यक्ष या बैठक के व्यवस्था का करने वाले व्यक्ति का बेट निर्णायक होगा।

॥ ओं नमः शिवाय ॥

(1) दूध और दूध उत्पाद मन्त्रालय, बीएफ़े दूध और दूध उत्पादों के उत्पादन ब्रिन्डमिंग, बिक्रय कर और वितरण से संबंधित किसी मामले में प्रावुबगिन मामलों में केन्द्रीय सरकार का सहायता करेगा और सहायता देगा ।

(3) उपर्युक्त (1) के उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव  
जान बिना सौंठ निम्नलिखित से संबंधित मांगों पर वेस्ट्र  
सरकार का स्वाद हो सकेगा ।

(क) विभिन्न क्षेत्रों और मांगों में प्रयुक्त होने वाले कच्चे तेल के द्रव पदार्थों की गुणों और उपयोगिता को सुगम बनाना,

(ख) दूध की पूर्ति को बनाए रखना या उसमें वृद्धि करना और उसका साम्यापूर्ण वितरण और उपलब्धता बनाए रखना,

(ग) दूध और युग्म उत्पत्ति के नियंत्रण और उनकी उद्योग-धराई के लिए उपयुक्त मात्राओं एवं मापदंडों के स्थापना करना,

(घ) दूध और दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण में स्वच्छता और स्वास्थ्यकर परिस्थितियों के उच्च स्तर बनाए रखना,

(क) किसी उद्योग जो दूध या दुग्ध उत्पादों से संबंधित है, को स्थापना उत्प्रेम या रजिस्ट्रेशन करना और

(ख) ऐसे अन्य प्रयोजन या आदेश के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक या आनुषंगिक है।

जहाँ केन्द्रीय सरकार यह समझती है कि वृद्ध और बुढ़ जल्पाद सलाहकार बोर्ड की विशेषज्ञता का इस प्रादेश के कार्यान्वयन में किसी प्रकार उपयोग किया जा सकता है, वहाँ ऐसा शर्ती संबंधों और सामाजिक ग्रहणार्थ जो केन्द्रीय सरकार विनिश्चित करे प्रादेश के कार्यान्वयन से वह संबंधित बोर्ड द्वारा किए जाने वाले किसी कार्य के संबंध में वह निर्देश देने के लिए सक्षम होगी और ऐसी स्थिति में बोर्ड ऐसे कार्य करने के लिए सक्षम होगा ।

5. रजिस्ट्रीकरण:-

(1) इस प्रावधान का प्रारंभ का तारखे से हू। कार्यवाही स्थिति तब तक स्थगित या स्थगित उत्पन्न का निर्माण या कार्यवाही, नहीं करेगा जब तक कि उसने रजिस्ट्रार प्रमाण-पत्र करने के लिए रजिस्ट्रार प्राधिकार का विहित फॉर्म सहित पहला अनुसूचा में विनिर्दिष्ट प्रकृत में ऐसे प्रारंभ का तारखे से 90 दिन के भीतर धारण न दे दिया हो।

(2) ऐसे व्यक्ति जो प्रति दिन कम बजार बाटर से अधिक दूध या पानी से उन व्यक्ति से अधिक दूध लाभ मुक्त बख्श-उत्पाद का लक्षण करा है वा लक्षण करने के लिए मजिदर है या उनके

स्वाभिस्वाधीन या नियंत्रण में स्थापन या एकत्र (या उनके नाम से एक से अधिक स्थापन है तो सभी स्थापनों को मिलाकर) में उक्त स्थापित क्षमता है जो उप-पैरा 1 के उपसंख्य प्राग होंगे।

(3) जहाँ कोई व्यक्ति या उपक्रम या स्थापन या एकक जो इस प्रादेश के प्रवृत्त होने की शरारत में ठीक पहलें उद्योग (विकास और क्रियानियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के प्रधान अनुज्ञापित या रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पणवान्त बुद्ध या किम्बु बुद्ध उत्पाद को हेतल प्रमस्करण या निमिर्माण के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत थे, उक्त अनुज्ञापित या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारा प्रत्येक व्यक्ति, उपक्रम स्थापन या एकक भी विहित किसके साथ पैरा (1) के अधिनियम रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रावेदन देगा ।

(4) उप-पैरा (3) में निश्चित अनुसूचि या रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र की वगैरह, इस आदेश के अर्हत रजिस्ट्रिकरण के निम्नलिखित और शर्तों में केवल वे विषय जैसे मिल्क गैड का वितरितियाँ या कोई अन्य विषय जो उद्योग (विकास और वितरितियन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के क्षेत्राधिकार में नहो आते है सम्मिलित होंगे ।

(5) प्रावेदन प्राप्त होने पर रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रिकरण के मामले में किन्हीं निर्णय पर पहुँचने के लिए ऐसी अन्य विनिर्दिष्ट या प्रावण्यक समझी जाए मांग संकेत और ऐसी प्रावधि के भीतर जोकि इन निमित्त रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट का जाए, प्रावेकक उन्हें देगा।

(6) ऐसी जाँच करने के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाए,—

(क) उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट आवेक को बाबत रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण करेगा और आवेक को दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रकृष में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देगा;

(ख) उन मामलों में जहाँ उप-वेरा (1) के अधीन कोई आवेदन किया गया है, रजिस्ट्रार प्राधिकारी ऐसा जांच करने के पश्चात् जैसे वह ठीक समझे,—

(i) रजिस्ट्रिकरण करेगा और दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट प्रश्न में रजिस्ट्रिकरण प्रमाणपत्र देगा परन्तु यह इसमें इसके पश्चात् उप-वैरा (8) के उपबंधों का ध्यान रखते हुए ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन होगा जो विनिर्दिष्ट की जाए, या

(ii) प्रस्थोक्ति के कारणों को विनिर्दिष्ट करते हुए  
रजिस्ट्रार प्रस्थोक्ति करेगा।

(7) रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन का, आवश्यक, आवेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा निपटान किया जाएगा।

परन्तु आवेक द्वारा उप-परा (5) के प्रथम विशिष्टता देने के लिए लिया गया समय साठ दिन की अवधि की गणना करने में निकाल दिया जाएगा।

(8) रजिस्ट्रारकरण प्राधिकारी निम्नलिखित और बातों को विनिर्दिष्ट करने में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात् :-

(i) मिलकामांहीं मे क्षेत्र में वृद्ध का उचित उपयोग,

- (ii) जनता के लिए दुग्ध की उपलब्धता;
- (iii) क्षेत्र में उपलब्ध दुग्ध की स्वागति और मात्रा;
- (iv) दुग्ध की लाभकारी कीमत;
- (v) दुग्ध और दुग्ध उत्पाद के हेडलिम के लिए उपलब्ध सूविधाएं;
- (vi) सहकारी संस्थाओं को बरीयता देने की नीति; और
- (vii) कोई अन्य विषय जो डेरी उद्योग के स्वस्थ विकास के लिए सुसंगत हों।

(9) इस आदेश के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने समय, यदि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ने मिल्कशेड को विनिश्चित किया है तो पंजीकरण प्रमाणपत्र धारी उसी मिल्कशेड से दुग्ध संग्रहण के लिए बाध्य होगा।

(10) यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रधारी दुग्ध या दुग्ध-उत्पादों का कारबार एक से अधिक परिसरों में चलाता है तो प्रत्येक उपक्रम, या स्थापन या एकक की बाबत उसे अलग-अलग रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र लेना होगा।

8. रजिस्ट्रीकरण और उसका नवीकरण :—(1) इस आदेश के अन्तर्गत जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा।

(2) जहां कोई रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पैरा 5 के उप पैरा (3) के अधीन दिया गया है तो उक्त पैरा में निर्दिष्ट अनुज्ञप्ति के विद्यमान निबन्धन और शर्तों तक कि विधिवत रहेंगी जब तक कि उक्त आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पारित नहीं कर दिया जाता।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को तीसरी अनुसूची में विनिश्चित प्रूप में रजिस्ट्रीकरण की अवधि की समाप्ति से कम से कम साठ दिन पूर्व किया जाएगा :

परन्तु रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त कोई आवेदन को तब ग्रहण कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि उक्त अवधि के भीतर आवेदन न करने का परोक्ष और उचित कारण था।

(4) पैरा 5 के उप पैरा (3) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के आवेदन की वशा में नवीकरण वा तक नामंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण के निबन्धनों और शर्तों का कोई अतिरिक्त न किया गया हो।

परन्तु जब तक उक्त कोई आवेदन नामंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को नामंजुरी के विरुद्ध श्रुत दशित करने के लिए उचित व्यवहार न दिया गया हो।

परन्तु यह और कि आवेदन की नामंजुरी को आवेदक की प्रति आवेदक को सूचित की जाएगी।

2. उपस्कर या परिसरों में उपांतरण, परिवर्धन या परिवर्तन :—पैरा

5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए या पैरा 6 के अधीन उसके नवीकरण के लिए कोई आवेदन की दशा में, यदि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का किसी रिपोर्ट की प्राप्ति से या अन्यथा यह समाधान हो जाता है कि स्वच्छता संबंधी अपेक्षाओं के दृष्टान्त मानकों का अनुकरण या दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के स्वागति मानकों को सुनिश्चित करने, या मशीनरी या परिसरों की बाबत सफाई सुनिश्चित करने के लिए उपस्कर या परिसरों में कोई उपांतरण, परिवर्धन या परिवर्तन करना आवश्यक है तो, वह, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने या नवीकरण करने के बजाए इस

निर्देश के साथ कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रधारी नियम अवधि के भीतर उपांतरण परिवर्धन या परिवर्तन करे एक अन्तिम रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा और यदि उक्त अवधि के भीतर उसकी पालना कर दी जाती है तो रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया जाएगा और निर्देशों की पालना की किसी अव्यवस्था या व्यतिथि की दशा में रजिस्ट्रीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

8. रजिस्ट्रीकरण और नवीकरण के लिए फीस :—(1) उक्त पैरा (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए केन्द्रीय सरकार, आदेश द्वारा, इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण और रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए गोप्य फीस विनिश्चित कर सकेगी और उस रीति को भी विनिश्चित करेगी जिसमें फीस मंदन की जाएगी।

(2) रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के प्रत्येक आवेदन के साथ केवल एक हजार रुपए, या जैसा कि केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर पुनरीक्षित किया जाए, की फीस होगी और यथास्थिति रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के लिए किसी आवेदक द्वारा मंदन फीस उस समय प्रतिफल की जाएगी यदि रजिस्ट्रीकरण या उसका नवीकरण नहीं किया जाता है।

परन्तु यह कि प्रतिदिन एक लाख लीटर दुग्ध या ऐसे कोई दुग्ध उत्पाद, जिसमें प्रतिवर्ष पांच हजार टन दुग्ध ठोस अंतर्भूत हों, के हस्तान्तरण, प्रसंस्करण या विनिर्माण के संबंध में रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के लिए आवेदन के मामले में, उसके साथ केवल पांच हजार रुपए की या जसा कि केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनरीक्षित किया जाए, फीस होगी।

9. रजिस्ट्रीकरण का अंतरण :—(1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक की मृत्यु की घटना में उसका विधिक प्रतिनिधि, अपने पक्ष में रजिस्ट्रीकरण के अंतरण के लिए, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, ऐसी जांच करने के पश्चात्, जैसी वह ठीक समझे, यदि उसका समाधान हो जाता है कि आवेदन विधिक प्रतिनिधि है रजिस्ट्रीकरण अनुदान करेगा और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा या जहां रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का, विधिक प्रतिनिधि होने के आवेदक के दावे के बारे में, समाधान नहीं होता है वहां उसके लिए जो कारण है उन्हें अभिलिखित करके आवेदन को नामंजूर करेगा :

परन्तु ऐसा कोई आवेदन तब तक नामंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को ऐसी नामंजुरी के विरुद्ध कारण दशित करने का युक्तियुक्त अवसर नहीं दिया गया हो।

परन्तु यह और कि आवेदन को नामंजूर करने वाले आदेश की एक प्रति आवेदक को दी जाएगी।

(2) जहां रजिस्ट्रीकरण के अंतरण के लिए उप-पैरा (1) के अधीन कोई आवेदन किया गया है वहां रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के निपटारे के लेखित रहने के दौरान दुग्ध या दुग्ध उत्पाद कारबार करने के लिए, अनुज्ञप्ति दे सकेगा।

10. दुग्ध या दुग्ध उत्पाद का उत्पादन या हस्तान्तरण :—(1) इस आदेश के प्रारंभ पर या उसके पश्चात् कोई व्यक्ति, जिसे इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिश्चित मात्रा में अधिक दुग्ध या दुग्ध उत्पाद की किसी बस्तु का हस्तान्तरण, उत्पाद या व्यवहार या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिश्चित कुशलशेष क्षेत्र के बाहर से दुग्ध का संग्रहण तब तक नहीं करेगा जब तक कि उमने ऐसा करने के लिए, नियंत्रक को पूर्व अनुज्ञा प्राप्त नहीं की हो।

(2) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाण के किसी धारक द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक दूध या किसी दूध उत्पाद के विनिर्माण, हस्तन, उत्पादन या व्यवहार के लिए या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट दूध क्षेत्र के बाहर से दूध के संग्रहण के लिए कोई आवेदन किया गया है वहाँ नियंत्रक एसी अधिक मात्रा के लिए अनुज्ञा विनिर्दिष्ट समय के लिए और एसा अपना वह समाधान हो जाने के पश्चात् हो करेगा कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक को ऐसा करने की अनुज्ञा देना लोक हित में आवश्यक है।

(3) नियंत्रक स्वयंसेवा, आवेदन द्वारा, किसी विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारकों के किसी दूध या प्रयोग को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अधीन अनुज्ञा मात्रा से अधिक दूध या दूध उत्पाद की किसी वस्तु के विनिर्माण, हस्तन, उत्पादन या व्यवहार के लिए अनुज्ञा दे-सकेगा यदि वह लोक हित में ऐसा करना आवश्यक समझे।

(4) केन्द्रीय सरकार, माध्याग्न या विशेष आदेश द्वारा, उन परिस्थितियों और उस सीमा के बाहर में नियंत्रक को निर्देश दे सकेगा जिसमें वह उप-धारा (3) के अधीन गतिविधियों का प्रयोग करेगा।

11. दूध का संग्रहण :-- (1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के प्रत्येक धारक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अधीन समन्वित दूध जेठ में ही दूध को संग्रहीत या उत्पन्न करेगा।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट दूध जेठ के अन्त के भीतर दूध का संग्रहण और उत्पन्न उस क्षेत्र की दूध उत्पादक सहकारी संस्थाओं में उस विस्तार तक किया जाएगा जहाँ तक ऐसा सहकारी संस्थाएँ दूध का प्रदाय करने में समर्थ हैं।

(3) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी किसी दूध क्षेत्र में दूध की कमी या किसी दूध जेठ क्षेत्र के बाहर के किसी क्षेत्र में तरल दूध की अधिकता के कारण लोक हित में ऐसा करना आवश्यक समझता है वहाँ वह रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र के धारक को तबसे दिन से अधिक की एसी अवधि के लिए, जो वह उस निम्न विनिर्दिष्ट करे, दूध जेठ के बाहर से दूध के संग्रहण या उत्पादन के लिए अनुज्ञा दे सकेगा।

(4) उप-धारा (3) के अन्तर्गत दूध जेठ के बाहर से दूध का संग्रहण सहकारी दूध संगठन या संघ के माध्यम से ही परस्पर कारण की गई कीमत पर ही किया जाएगा और ऐसे किसी कारण के अभाव में उस कीमत पर किया जाएगा जिस पर संबंधित सहकारी संगठन या संघ किसी अन्य सहकारी संगठन या संघ को दूध का विक्रय करता है।

(5) ऐसी अवधि के दौरान, जैसी कि केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे, तरल दूध का उपयोग (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उपबंधित मात्रा को सीमा के भीतर रहते हुए भी) कोई दूध उत्पाद बनाने के लिए नहीं किया जाएगा।

12. नियंत्रक की नियुक्ति और कार्य :-- (1) केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस आवेदन के अधीन नियंत्रक की गतिविधियों का प्रयोग और कृत्यों का निर्वहन करने के लिए, भारत सरकार के संयुक्त सचिव की पक्ष में प्रथम सरकार के किसी अधिकारी को नियुक्त या अधिहित कर सकेगा।

(2) नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, इस आवेदन के उपबंधों के माध्याग्न कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।

(3) नियंत्रक, इस आवेदन के अधीन उसे प्रदत्त किन्हीं अन्य शक्तियों और पैरा 13 के अधीन केन्द्रीय सरकार की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव होने बिना, इस आवेदन के उपबंधों का कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी होगा और इस आवेदन के उपबंधों को अंगमर करने के लिए ऐसे कदम उठाएगा जो वह आवश्यक समझे।

13. रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी की नियुक्ति और कार्य :-- (1) केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय या राज्य सरकार या संसद या राज्य विधान सभ्य के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित किसी कानूनी निकाय के अन्तर्गत अधिकारियों को, जितने वह उचित समझे रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त या अधिहित और उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता विनिर्दिष्ट कर सकेगी।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर कार्रवाई करेगा और इस आवेदन के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा और अपनी अधिकारिता के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण के निबंधनों और गतियों के अनुपालन के लिए उससे संबंधित सभी कृत्यों का निर्वहन करेगा।

14. नैमित्तिक विवरणियाँ और अनिवार्य जानकारी :-- (1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का प्रत्येक धारक प्रत्येक नैमित्तिक के प्रथम दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को छठी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रारूप में एक विवरणी, दो प्रतिपियों में, भेजेगा।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक से या ऐसे अन्य व्यक्ति से, जो दूध या दूध उत्पाद का व्यवहार या हस्तन या प्रसंस्करण या विनिर्माण करता है, ऐसी किसी अवधि की बाबत, जो वह विनिर्दिष्ट करे, उसके द्वारा व्यवहृत या हस्तित या प्रसंस्कृत या विनिर्मित या विक्रीत दूध का मात्रा और स्वादिष्टी सुनिश्चित करने के लिए ऐसी जानकारी, जो वह आवश्यक समझे या ऐसी अन्य जानकारी जो इस आवेदन के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित हो, मांग सकेगा।

(3) केन्द्रीय सरकार या इस निम्न उसके द्वारा प्राधिकृत या अधिहित कोई अधिकारी या प्राधिकारी अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आवेदन के उपबंधों का पालन किया जा रहा है, किसी व्यक्ति से जिसके द्वारा, ऐसे किसी प्रयोजन के लिए जो इस आवेदन या उसके अधीन रजिस्ट्रीकरण के अन्तर्गत नहीं है, दूध या दूध उत्पाद उपयोग किए जाने की संभावना है, ऐसी अवधि के भीतर और ऐसे प्रबंध में या ऐसे अंतराल पर, जो विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसे अनिवार्य जानकारी या विवरणी जो वह उचित समझे, देने की अपेक्षा कर सकेगा।

15. प्रवेश, निरीक्षण और अधिग्रहण की शक्ति :-- (1) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी ऐसे किसी परिसर का, जिसमें दूध या किसी दूध उत्पाद का विनिर्माण या प्रसंस्करण या कार्रवार किया जा रहा है, कालिक निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए कर सकेगा कि इस आवेदन का या उसके अनुसरण में जारी किए गए किसी निर्देश का अनुपालन या उपबोधों को अमली और उचित सामग्री का प्रदाय किया जा रहा है और जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ऐसा करना अथवा आवश्यक समझे वहाँ माध्याग्न या विशेष आदेश द्वारा--

(क) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक से या किसी अन्य व्यक्ति से अपने कार्रवार के बाहर में कोई जानकारी, जो उसके पास हो, देने की अपेक्षा कर सकेगा?

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक या किसी अन्य व्यक्ति से, निम्न सूचना द्वारा दूध या दूध उत्पाद या उसके विनिर्माण में उपयोजित किसी सामग्री का नमूना देने की अपेक्षा कर सकेगा,

(ग) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक या दूध या दूध उत्पाद का व्यवहार या विनिर्माण या प्रसंस्करण या हस्तन करने वाले किसी अन्य व्यक्ति से कोई गुरिफा, स्वादेष्ट, या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, जो उसे जारी किया गया हो, प्रस्तुत करने की, लिखित अपेक्षा कर सकेगा;



(घ) ऐसी किसी वस्तुका या अन्य वस्तुओं का, जो ऐसे व्यक्ति के कब्जे या नियंत्रण में हो, निरीक्षण कर सकेगा या निरीक्षण करा सकेगा।

(ङ) किसी स्टॉक या ऐसे किसी यान, जलयान या वाहान का निरीक्षण कर सकेगा या निरीक्षण करा सकेगा यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सामग्री रजिस्ट्रीकरण के नियंत्रणों और जर्नों के या इस आदेश के उपबंधों के उल्लंघन में है।

(च) किसी परिमर में प्रवेश और उसका निरीक्षण कर सकेगा और ऐसी किसी वस्तु को अभिगृहीत कर सकेगा जिसे यह आदेश लागू होता है और जिसके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है और इस प्रकार अभिगृहीत कुछ या कुछ उत्पाद से संबंधित स्टॉकों का न्यायालय में पेश किए जाने के लिये उचित करने के लिए या ऐसे पेश किए जाने के लिये उचित करने के कारण उसकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय कर सकेगा या किया जाना प्राधिकृत कर सकेगा।

(2) उप पैरा (1) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी या अधिकारी, —

(क) उचित रसीद देने पर, ऐसे कुछ या कुछ उत्पाद, जिसके संबंध में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन किया गया है, के प्रवेश या प्रसंस्करण या अन्यद्वारा प्रवेश विनिर्माण में संबंधित कच्ची सामग्री, वस्तुओं, लेखा बहियों या अन्य गुप्तगत सामग्री को निष्कृत कर सकेगा;

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक में, उचित रसीद देने पर, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक के परिमरों में ऐसे कुछ या कुछ उत्पाद, जिसके संबंध में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश का उल्लंघन हुआ है, के नष्ट या ऐसे कुछ या कुछ उत्पाद की सैवारी में प्रयुक्त किसी संघटक का संग्रहण कर सकेगा;

(ग) संदाय पर, किसी व्यक्ति से विप्रेषण किए गए या विक्रय किए जाने के लिए आशयित या विक्रय के प्रयोजन के लिए किसी व्यवहारी, अधिकारी या दलाल को भेजे जाने अथवा परिवार के लिए रखे गए कुछ या कुछ उत्पाद के नमूनों का संग्रह कर सकेगा और ऐसे नमूनों का पैरा (2) के उप पैरा (6) के अधीन विनिर्दिष्ट मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला में विश्लेषण करा सकेगा।

(3) बण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, या अल्पसंख्यक आदेश के अधीन प्रत्येक सलाशी को लागू होंगे।

16. रजिस्ट्रीकरण का निलम्बन या रद्दकरण :—(1) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी इस आदेश के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को निलम्बित या रद्द कर सकेगा, यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का धारक, —

(क) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करते समय जानबूझ कर गलत जानकारी देता है;

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निबन्धनों या जर्नों में से किसी का अनुपालन करने में असफल रहता है या उसके उल्लंघन में कार्य करता है;

(ग) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा या जहाँ, इस आदेश के उपबंधों के अनुसरण में सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत किया गया हो, बर्त

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जारी किए गए निदेशों से किसी का अनुपालन करने में असफल रहता है;

(घ) इस आदेश के उपबंधों के अधीन यथा अधिनियम अथवा अधिनियम की जाने वाली किसी अनुकारी या विधायी को ध्वंस में असफल रहता है;

(ङ) पैरा 11 के अधीन यथा अथवा अनुपालन कमिशन, —

(i) कुछ अथवा कुछ उत्पाद की किसी मद को उसे जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उस मद के संबंध में विनिर्दिष्ट नोटा में अधिक संघट्ट करता है, उसे उपलब्ध करता है या उसका उत्पादन करता है;

(ii) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट कुछशाला से बाहर के किसी क्षेत्र में कुछ का संग्रह करता है; और

(च) किसी अन्य रीति से इस आदेश के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करता है।

(2) उप पैरा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते समय रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी प्रथमः निम्न का कोई आदेश जारी करने के लिए और अनुपालन यदि व्यक्तिक या असफलता जारी रहती है तो रद्दकरण का आदेश जारी करने के लिए, स्वतंत्र होगा।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उप पैरा (1) या उप पैरा (2) के अनुसरण में कोई रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द किए जाने के पूर्व प्रमाणपत्र के धारक को लेख दक्षित करने का अवसर देगा और ऐसे प्रत्येक मामले में जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जाता है, कारबार के परिणामांत के लिए तीन मास की और अधिक प्रमाणपत्र के धारक को दी जाएगी और उस अवधि के दौरान यह केवल ऐसे विस्तार तक कारबार कर सकेगा जो संविदाओं का परिणाम करने के लिए आवश्यक हो।

17. प्रतिलेखों का अनुसरण :—रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, साधारण या विशेष आदेश द्वारा, कुछ या किसी कुछ उत्पाद के विनिर्माण या प्रसंस्करण या अन्य कारबार में लगे हुए किसी व्यक्ति को अपने कारबार के ऐसे अधिलेख ऐसी रीति से रखने के लिए और कारबार से संबंधित ऐसी विवरणियाँ उसकी दक्षित करने के लिए, जो इस आदेश के उपबंधों के अधीन विनिर्दिष्ट की गई हैं या की जाएं, निदेश दे सकेगा।

18. निषेधक को अपील :—(1) किसी रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी के आदेश में अधिक कोई व्यक्ति, आदेश के तीन दिन के भीतर निषेधक को अपील कर सकेगा जो उस व्यक्ति को मुनेजाने का पुक्तिपुक्त अवसर देने के पश्चात् उस पर ऐसे आदेश पारित कर सकेगा, जो चूड़ीका समझे;

परन्तु निषेधक नोस दिन की उक्त कालावधि की समाप्ति के पश्चात् यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि अपीलार्थी को समय के भीतर अपील फाइल करने में पर्याप्त कारण मेरोका गया था तो, अपील ग्रहण कर सकेगा।

(2) उप पैरा (1) के अधीन प्रत्येक अपील के साथ केवल पाँच सौ रुपये का पत्र या जो केंद्रीय सरकार द्वारा समय समय पर पुनरीक्षित की जाए, कीम होगी।

19. निदेश जारी करने की केन्द्रीय सरकार की शक्तियाँ —

(1) इस अधिनियम में व्यवस्थित किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार को इस अधिनियम में उचित मामलों में से किसी के संबंध में या उसमें सम्मिलित किसी मामले के संबंध में कोई भी या निषेधक को या किसी रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी को कोई निदेश जारी करने की शक्ति होगी और ऐसा निदेश पहले विधिमार्ग रूप में किए गए किसी अन्य अधिनियम या निदेश पर अधिभारित होगा।

(2) इस अधिनियम में व्यवस्थित किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार को इस अधिनियम में उचित विषयों में से किसी के संबंध में कोई निदेश, जिसके अन्तर्गत दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के स्वतंत्र अन्तर्राष्ट्रियक संचालन पर किसी अवरोध या निरोधन से संबंधित कोई निदेश भी है, जारी करने की शक्ति होगी।

20. दुग्ध उत्पाद के उत्पादन पर सहायी निबंधन —

(1) निषेधक, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि किसी क्षेत्र में द्रव दुग्ध का प्रदाय बनाए रखने या उसमें वृद्धि करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है तो वह, राजपत्र में प्रकाशित अधिनियम द्वारा, निदेशित कर सकेगा कि उक्त अधिनियम में वर्णित अवधि के लिए द्रव दुग्ध का वितरण या किसी दुग्ध उत्पाद का उसके उत्पादकों या विनिर्माताओं के किसी वर्ग द्वारा उत्पादन ऐसी रीति में निर्दिष्ट होगा जो इस अधिनियम में विनिर्दिष्ट की जाए, परन्तु यह कि कोई ऐसा अधिनियम एक समय पर नब्बे दिन से अधिक की अवधि के लिए प्रवृत्त नहीं रहेगा।

(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट निबंधन लगाने में, निषेधक निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेगा अर्थात्:—

- (क) उस क्षेत्र में द्रव दुग्ध की उपलब्धता,
- (ख) उस क्षेत्र में साधारण जनता द्वारा द्रव दुग्ध के लिए मांग,
- (ग) द्रव दुग्ध में डूबरी संबंधों द्वारा पुनर्वितरण के लिए मछलियाँ दुग्ध पूर्ण और श्वेत संरक्षण की आवश्यकता,
- (घ) निर्दिष्ट किए जाने के लिए प्रस्तावित द्रव दुग्ध और संबंधित दुग्ध उत्पाद का परस्पर महत्व,
- (ङ) द्रव दुग्ध का प्रदाय बनाए रखने के लिए सम्मिलित अन्य कारक।

21. उस क्षेत्र में मछलियाँ दुग्ध पूर्ण और दुग्ध यथा पर उत्पन्न —

(1) जहाँ निषेधक का समाधान हो जाता है कि किसी क्षेत्र की साधारण जनता के लिए द्रव दुग्ध का प्रदाय सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए ऐसा करना आवश्यक है, वहाँ वह, सादेन द्वारा मछलियाँ दुग्ध पूर्ण या दुग्ध वसा के उत्पादकों या विनिर्माताओं के किसी वर्ग या वर्गों को उन सभी वस्तुओं या उनमें से किसी को, उसके कुल उत्पादन की ऐसी प्रतिशतता, जो वह समुचित समझे, उस प्रयोजन के लिए उसके द्वारा अभिविहित किसी प्राधिकारी को उपलब्ध करने के लिए निदेशित कर सकेगा।

(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक उत्पादक और विनिर्माता को, जिससे उसमें वर्णित वस्तु, निषेधक के निदेश के अनुसरण में उपलब्ध कराई गई है, उसके उस मूल्य का, जो निषेधक द्वारा अवधारित किया जाए, संदाय किया जाएगा।

22. केन्द्रीय सरकार को अपील—(1) इस अधिनियम के अधीन निषेधक द्वारा जारी किए गए किसी अधिनियम या निदेश के विरुद्ध कोई अपील इस अधिनियम के जारी किए जाने के तीसरे दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार को होगी और केन्द्रीय सरकार अपीलार्थी को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् उस पर ऐसा अधिनियम पारित करेगी जो वह ठीक समझे:

परन्तु केन्द्रीय सरकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् कोई अपील ग्रहण कर सकेगी यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि अपीलार्थी को विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर अपील फाइल करने से पर्याप्त कारण में विचारित किया गया था।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक अपील के साथ केवल एक हजार रुपये की या जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनरीक्षित किया जाए, फीस होगी।

23. नमूने लेने के लिए विधिवेधन करने के लिए और प्रतिबंध अधिनियम जारी करने के लिए प्रक्रिया —

(1) धारा 15 के उपधारा (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत अथवा अभिविहित अधिकारी या प्राधिकारी, नमूना लेने समय, नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण करेगा,—

(क) नमूना ऐसी रीति से लिया जाएगा जो नमूने का समानो और प्रतिनिधि बनाए जिससे कि विश्लेषण वस्तु की प्रकृति और अन्तर्वर्धन का विश्वसनीय आंकड़ा दे सके;

परन्तु यह कि जहाँ दुग्ध या किसी दुग्ध उत्पाद का समरूप लेबल प्रेषणा रखने वाले पुरावद अधिपतियों में रखा गया है उनका अधिकार अथवा वितरण के लिए संदाय किया गया है, वहाँ ऐसे अधिपतियों में से एक या अधिक की अन्तर्वर्धन, जो उचित विश्लेषण के लिए अपेक्षित परिमाण या समाधान करने के लिए अपेक्षित हों, उस नमूने का भाग समझा जाएगा।

परन्तु यह और कि नमूना लेने समय उस व्यक्ति को जिससे नमूना लिया जाता है, उसको इस प्रकार विश्लेषित किए जाने के आशय की गृही पर लिखित सूचना दी जाएगी।

(ख) नमूने की तत्काल तीन बराबर भागों में एक कर दिया जाएगा और प्रत्येक भाग को पृथक साधान में रखा जाएगा, विश्लेषित किया जाएगा और मुद्रांकित किया जाएगा।

(ग) नमूने के भागों में से एक को मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला को विश्लेषण के लिए भेजा जाएगा और दो भागों की निषेधक को अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत किसी संस्था को अभिरक्षा के लिए भेजा जाएगा जिसमें कि नमूने का पुनः परीक्षण अपेक्षित होने की दशा में उपयोग किया जा सके।

(2) वह प्रयोगशाला जिसको नमूना भेजा जाता है नमूने के विश्लेषण के परिणामों की रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी को व्यक्तिगत रूप से समय के भीतर रिपोर्ट देगी।

(3) जहाँ किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसमें लिए गए नमूने के आधार पर, जो मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा विश्लेषण पर अवमानक का अथवा अनुपयुक्त पाया गया है, कोई कार्रवाई अनुष्ठान की जाती है तो उसको यह अधिकार होगा कि वह नमूने का दूसरा भाग उस प्रयोजन के लिए निषेधक द्वारा सम्यक् रूप में प्राधिकृत दूसरी प्रयोगशाला द्वारा विश्लेषण के लिए भिजवाए और विहित मानक का समाधान न करने वाले नमूने के बारे में जानकारी की प्राप्ति के पश्चात् दिन के भीतर किए गए किसी ऐसे अनुरोध की प्राप्ति पर रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी उसे दूसरी प्रयोगशाला को भेजगा जिसकी रिपोर्ट उपधारा (1) में वर्णित पहली प्रयोगशाला द्वारा दी गई रिपोर्ट को अभिविहित करेगी और वह उसमें कथित तथ्यों का अंतिम और निष्पाद्यक साध्य होगी।

(4) पुरवित्त दूधने प्रयोगशाला द्वारा किए गए विश्लेषण के लिए संबंध पत्रों का संवाहक तब तक द्वारा किया जाएगा जिसका कष्टन पर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी न और विश्लेषण के लिए मांग की थी।

(5) जहां, यथास्थिति, दुग्ध या दुग्ध उत्पाद की क्वालिटी, दूधने विश्लेषण पर मानक कीया अनुपपन्न पाई जाता है, वहां, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, निम्नलिखित आदेश देता होगा, उनके विषय और ऐसे दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के प्रबंध या प्रसंस्करण गणरा विनिर्माण पर प्रतिबंध कर सकेगा।

(6) भारतीय मानक बोरो अधिनियम 1986, (1986 का अधिनियम 61) के प्रवर्तन के लिए मान्यताप्राप्त प्रशक प्रयोगशाला और कोई अन्य प्रयोगशाला जिसे केन्द्रीय सरकार के किंसा आदेश द्वारा पञ्चात्त्वर्ती मान्यता दी जाए, इस आदेश के प्रवर्तन के लिए मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला होगी।

24. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रों के धारकों की सूची का प्रकाशन :-

(1) निम्नलिखित, इस आदेश के प्रारम्भ के पश्चात् यथासंभव शीघ्र राजपत्र से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रों के धारकों के नामों और पत्तों की और उनके स्वामियों धरवा उनकी ईकाईयों की, सूची उनके धरने-धरने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रों के अनुरूप होने वाले दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के वर्णन सहित प्रकाशित करेगा।

(2) निम्नलिखित, उनके पश्चात् वैसे ही आन्तरिक प्रकाशन :-

(क) किसी ऐसे व्यक्ति की विनिर्दिष्टीयें हों हुए, जिसे पञ्चात्त्वर्ती रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है या जिसका प्रमाणपत्र संशोधित या रद्द किया गया है, और

(ख) समेकित सूची देते हुए जिसमें उप पैरा (1) के अधीन प्रकाशित पक्षों सूची में किए गए उपांतरण अल्पः स्थापित किए गए हों, प्रकाशित करा सकेगा।

25. दुग्ध और दुग्ध उत्पाद के लिए सफाई संबंधी अपेक्षाएं :- वे परिसर, जिनमें रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक द्वारा दुग्ध या किसी दुग्ध उत्पाद का प्रबंध, प्रसंस्करण, विनिर्माण, सफाईकरण या वितरण किया जाता है, और उनका प्रबंध करने वाले व्यक्ति पांचवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट सफाई अपेक्षाओं और मानकों का अनुपालन करेंगे।

26. प्रमाणीकरण, पैकिंग, चिन्हांकन और लेबल लगाना।

(1) दुग्ध या दुग्ध के किसी उत्पाद के रख-रखाव प्रसंस्करण या विनिर्माण से सवा दूधरा प्रत्येक व्यक्ति विनिर्दिष्ट दुग्ध की मदों या निर्माण किए हुए और दुग्ध उत्पादों की किसी मद और उनके आधानों की पैकिंग, चिन्हांकन और लेबल लगाने के मामले में निम्नलिखित अपेक्षाओं का पालन करेगा, अर्थात् :-

(i) इस मद से संबंधित उत्पाद का रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा इस निम्नलिखित प्राधिकारी द्वारा इस आणव के लिए प्रमाणित कराया जाएगा कि सामान केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित क्वालिटी मानकों के अनुरूप है :-

(क) इस आदेश की जारी किए जाने के पश्चात् पहला बार विनिर्दिष्ट किसी नये उत्पाद की दशा में, विनिर्माण के पश्चात् पहली बार परिसर में किसी उत्पाद की निर्मित की पड़े और

(ख) जिसमें ऐसे उत्पाद की दशा में किसी दूध आदेश के प्रमाण होने पर पड़े से ही विनिर्माण किया जा रहा है, जिनमें भी समय जब व्यक्ति में उत्पाद की प्रमाणित करने के लिए रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा कदा जाता है,

(ii) जहां किसी मद के संबंध में किसी व्यक्ति को प्रमाणपत्र जारी किया जाता है या ऐसा व्यक्ति पैक किए गए सामान पर प्रमाणपत्र का निर्माण लगाने के लिए प्राधिकृत होगा।

(iii) उस पैरा के अधीन जारी किया गया प्रत्येक प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों पर होगा :-

(क) यह कि दूध या दूध उत्पाद की मदों की सभी पञ्चात्त्वर्ती प्रेषण और निर्माणों प्रमाण के समय विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप होंगे,

(ख) यह कि प्रमाणपत्र धारक ऐसे पैक किए गए सामानों पर प्रमाणित संख्या और प्रमाणित या संप्रतीक अंकित करने के लिए प्राधिकृत होगा और उसे उनमें से प्रत्येक पर प्रमुख रूप से संप्रतीक किया जाएगा और

(ग) पैक किए गए सामानों पर लगे हुए लेबल पर कोई ऐसा कथन, वादा, अभिकल्पना या व्यक्ति जो पैकेज में रखे गये दूध या दुग्ध उत्पाद के संबंध में या उनकी क्वालिटी अथवा पोषक तत्व या उनके निर्माण के स्थान के संबंध में किसी भी प्रकार से असत्य या भ्रामक हैं नहीं लिखी होगी।

(iv) दूध या दुग्ध उत्पाद के निर्माण करने वाले सटक केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुरूप होंगे।

(2) ऐसे प्रत्येक मामले में जहां रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक द्वारा दुग्ध या दुग्ध उत्पाद के किसी कन्सटर, बैरल, कर्टन या किसी अन्य आधान में पैक किया जाता है, वहां रजिस्ट्रीकरण संख्या ऐसे आधान पर लेबल की और मुख्य रूप से संप्रतीक होगी या उस पर मुख्य रूप से समुद्रमंत अंकित या मद्रिन की गई होगी।

(3) दूध या दुग्ध उत्पाद के पैकेज के प्रत्येक लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट होगा :-

(क) पैकेज में रखे गए सामान का नाम, व्यापार के नाम या विवरण,

(ख) रजिस्ट्रीकरण, प्रमाणपत्र धारक का नाम और कारखाने का पता तथा रजिस्ट्रीकरण संख्या;

(ग) यथास्थिति, सामान का कुल भार, या संख्या या माप या आयतन;

(घ) निम्नलिखित का छापकर बैच या कोड संख्या :-

(i) दूध या दुग्ध उत्पाद के 60 ग्राम या 60 मिली मीटर से कम भार के पैकेज;

(ii) बोतल, कर्टन या डिब्बे में पैक किया गया दूध (जिसमें निजमित दुग्ध सम्मिलित है किन्तु संघनित दूध नहीं है)

(3) दूध विनिर्माण या दूध पैकिंग का दिन, मारा और अर्थ या दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण या पैकिंग का मस और अर्थ, परन्तु यह खण्ड अद्यतनीय, मसखन और पत्तों, और तरल दूध (जो संघनित दूध नहीं है) की बोतलों, कर्टनों या डिब्बों दूध को अत्यंत के रूप में अत्यंत करने वाले पेय पदार्थ के मामले में जहां जिन्हें उपभोक्ता द्वारा पुनः भरे जाने के लिए वापस किया जाता है, लागू नहीं होगा।



(च) निर्जमित दूध (स्टेरिलाइज्ड) दूध और शिशु दुग्धप्रसूतार के पैकेजों पर विनिर्माण या पैकिंग की तारीख।

(4.) रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र का धारक अपने दूध, प्रसंस्कृत या विनिर्मित या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक किसी अन्य व्यक्ति से दूध या दुग्ध उत्पादों के अलावा अन्य किसी दूध या दुग्ध उत्पादों को पैक नहीं करेगा।

(5.) उप पैरा (1) में अन्तर्लिखित उपबन्धों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, आदेश द्वारा, किसी भी प्रकार या वर्णन वाले दुग्ध उत्पादों की पैकिंग, विनिर्माण और उन पर लेबल लगाने के बारे में अपेक्षाएँ विनिर्दिष्ट कर सकेगा चाहे ऐसा दुग्ध उत्पाद भारत में ही विनिर्मित होता है या नहीं और प्रत्येक विनिर्माता या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे आदेश के उपबन्धों का पालन करने के लिए आबद्ध होगा।

(6.) इस पैरा में अन्तर्लिखित कोई बात भारत में आयात किए गए दूध या दुग्ध उत्पादों पर लागू नहीं होगी।

## 27. निदेशों और आदेशों का अनुपालन

1. नियंत्रक इस आदेश के उपबन्धों से संगत ऐसे निदेश जारी कर सकेगा जो इस आदेश के उपबन्धों को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक हों।

2. ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिसे इस आदेश के किसी उपबन्ध के अनुसरण में कोई निदेश या अनुदेश दिया जाता है या आदेश जारी किया जाता है, ऐसे निदेश या अनुदेश या आदेश का पालन करने के लिए आबद्ध होगा और उसका पालन करने में उस व्यक्ति से होने वाली असफलता को सुमंगल उपबन्धों का उल्लंघन माना जायेगा।

3. प्रत्येक व्यक्ति इस आदेश के उपबन्धों के अनुसरण में मांगी गई किसी भी जानकारी को देने के लिए आबद्ध होगा और व्यक्तिगत करने पर यह माना जाएगा कि उसने आदेश के उपबन्धों का उल्लंघन किया है।

4. कोई भी व्यक्ति इस आदेश के किसी उपबन्ध से बचने की दृष्टि से किसी लेखा-बही, दस्तावेज या अन्य किसी साक्ष्य को रद्द, नष्ट, विकृत या विरूपित नहीं करेगा।

## 28. अभियोजन :

कोई भी व्यक्ति जो,

(क) इस आदेश के अधीन अपेक्षित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को प्राप्त किये बिना दूध या किसी दुग्ध उत्पाद का व्यापार, प्रसंस्करण, या नियंत्रण या विनिर्माण करेगा, या

(ख) जारी किए गए प्रमाणपत्र का निलम्बन या प्रसिंहरण या समाप्त हो जाने पर भी दूध या दुग्ध उत्पादों के विनिर्माण या प्रसंस्करण या व्यापार या पैकिंग करना जारी रखेगा, या

(ग) इस आदेश के उपबन्धों या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के निबंधनों और शर्तों के उल्लंघन में दूध या दुग्ध उत्पादों का व्यापार, प्रसंस्करण, विनिर्माण, नियंत्रण या पैकिंग करेगा, या

(घ) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में किसी मद के लिए विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक उत्पाद उत्पादन करेगा, या

1447 GI/92-2

(ङ) धारा 5 के उप पैरा (1) के उपबन्धों के उल्लंघन में कोई विनिर्माण सुविधा सृजित करेगा, तो वह अपने प्रमाणपत्र के निर्वहन, प्रतिमंहरण या रद्दकरण के अलावा इस आदेश के उपबन्धों के उल्लंघन के लिए अभियोजित किए जाने का होगा।

## 29. अभियोजन के लिए पूर्व मंजूरी

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन किये जाने की दशा में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अभियोजन शुरू करने से पहले नियंत्रक की पूर्व मंजूरी प्राप्त करेगा और ऐसे प्रत्येक मामले में ऐसी मंजूरी केवल तभी दी जाएगी जब नियंत्रक का समाधान हो जाता है कि, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध प्रथमदृष्टया मामला बनता है।

30. शक्ति :—ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों का या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किन्हीं निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन करेगा या ऐसा समझा जाता है कि उसने उल्लंघन किया है, या उनमें दिए गए किसी निदेश या आदेश या किए गए अनुरोध, या दिए गए अनुदेश को पूरा करने में असफल रहेगा तो वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का 10) की धारा 7 के अधीन दण्डनीय होगा।

## 31. संक्रमणकालीन और अन्य उपबन्ध

(1) इस आदेश के प्रारम्भ होने की तारीख से और बोर्ड का गठन होने तक और ऐसे किसी समय पर भी जब तक बोर्ड अस्तित्व में नहीं है या नियंत्रक ऐसी स्थिति में नहीं है, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय में पशुपालन और डेरी विभाग का सचिव इस आदेश के अधीन बोर्ड की सभी शक्तियों का प्रयोग करने और उसके सभी कृत्यों का निर्वहन करने के लिए सक्षम होगा और जब तक इस आदेश के अनुसार नियंत्रक की नियुक्ति नहीं हो जाती है ऐसे किसी अधिकारी को, जो भारत सरकार के कृषि मंत्रालय में संयुक्त सचिव की पंक्ति से तोम का न हो, नियंत्रक के कृत्यों का निर्वहन करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा।

(2) इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारियों की नियुक्ति के लक्षित रहने की संक्रमणकालीन व्यवधि के लिए नियंत्रक की शक्तियों का प्रयोग करने वाला व्यक्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कृत्यों का निर्वहन करने के लिए एक या अधिक अधिकारियों को प्राधिकृत करने या किसी प्राधिकरण को पबर्निहित करने और उनमें से प्रत्येक के संबंध में अधिकारिता का अवधारण करने के लिए सक्षम होगा।

## 32. निरसन और व्यावृत्ति

(1) इस आदेश के उपबन्ध और उसके अधीन जारी किए गए निदेश आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 के अधीन किए गए किसी आदेश को, जहाँ तक उसका संबंध दूध और दुग्ध उत्पादों से है, अधिक्रांत कर देंगे।

(3) ऐसा अधिकरण होते हुए भी उन आवेशों के अधीन की गई या शुरू की गई कोई बात या कार्रवाई इस आदेश के तत्समान उपबन्धों के अधीन की गई या शुरू की गई समझी जाएगी।

[फा.सं. 4-16/91-डी.पी]

पी० जी० मरलीधरन, सचिव

पहली अनुसूची  
रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन  
[पैरा 5 का उप पैरा (1) देखिये]

भाग I

1. आवेदक का नाम और पता
2. प्रबंध निदेशक, निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, स्वामी आदि के नाम
3. आवेदक के प्रबंध स्वामित्वाधीन कारबार/डैरी संयंत्र और सभी स्थापनों और परिसर का पता
4. दूरभाष संख्या/तार/टेलिक्स
5. (क) प्रति वर्ष मात्रा सहित दूध और दुग्धोत्पाद का विवरण जिसकी उठाई-धराई/नियंत्रण/प्रसंस्करण/विनिर्माण के लिए आवेदक के पास उपस्कर हैं (सम्पूर्ण विवरण दें)
- (ख) यदि पहले से ही दूध या दुग्धोत्पादों की उठाई-धराई/प्रसंस्करण/नियंत्रण या विनिर्माण कर रहे हैं, तो गत तीन वर्षों में प्रत्येक उत्पाद की वार्षिक मात्रा (प्रत्येक वर्ष के लिए अलग से विवरण दें)
- (ग) उठाई-धराई, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए प्रस्तावित दूध या दुग्धोत्पाद की प्रत्येक भद की मात्रा।
6. द्रुतशीतन/संग्रहण केन्द्रों सहित शाखाएं।
7. डैरी संयंत्र की संस्थापित प्रतिदिन क्षमता।
8. दूध और प्रत्येक दुग्धोत्पादों की कुल प्रमाणा जिसकी पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उठाई-धराई की गई या जिसका प्रसंस्करण या नियंत्रण किया गया।
9. यदि, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन लाइसेंस प्राप्त करने या रजिस्ट्रीकरण के पश्चात स्थापित किया गया है तो कृपया सभी शर्तों सहित लाइसेंस या रजिस्ट्रीकरण की एक फोटोकॉपी प्रस्तुत करें।
10. भौतिक सीमाओं को दर्शाने वाले, प्रमाणीकृत नक्शे के साथ मिल्क शेड क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर में)
11. दूध की औसत मात्रा जिसका प्रतिदिन उपयोग किया गया या जिसकी उठाई-धराई की गई
  - (क) कमी के मौसम में
  - (ख) प्रचुरता के मौसम में

भाग II

मिल्क शेड का विस्तारपूर्वक विवरण

1. मिल्क शेड का भौगोलिक क्षेत्र
2. जिलों और प्रत्येक जिले में गांवों की संख्या
3. मिल्क शेड में जिलावार नस्लवार बुधारे गायों, भैंसों और गीपड बकरियों की संख्या
4. तालुका/तहसील की सीमाओं और प्रमुख सड़क/रेल मार्गों आदि को दर्शाने वाला जिले का नक्शा।
5. विद्यमान दूध उपापन, प्रसंस्करण और विपणन सुविधाओं संबंधी संक्षिप्त विवरण।
6. दुग्ध उत्पादकों की सहकारी समितियों/संघ आदि मिल्क शेड में कुल और सक्रिय।
7. मिल्क शेड में सार्वजनिक/प्राइवेट डैरी संयंत्रों की संख्या
8. कोई अन्य विकासात्मक कार्यक्रम।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि दूध और दुग्धोत्पाद आदेश, 1992 के सभी उपबंधों का पालन करूंगा/करेंगे।  
विहित रजिस्ट्रीकरण शुल्क इसके साथ भेजा जा रहा है।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इसमें दिए गए तथ्य और भाग-I और II में दी गई विनिर्दिष्टियां सत्य और सही हैं।

स्थान :  
तारीख

आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर

## दूसरी अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र  
[पैरा 5 का उप-पैरा (7) देखिए]

रजिस्ट्रीकरण संख्या : .....

1. प्रमाणपत्र धारक का नाम और पता :
2. विनिर्माण आदि के लिए प्राधिकृत परिसर का पता
3. परिसर में पश्चातवर्ती परिवर्तन, यदि कोई हो
4. दूध उत्पादन के लिए प्रचालन क्षेत्र :
  - (1) गांव का नाम (मिल्कशेड का नक्शा)
  - (2) बर्ग किलोमीटर
5. दूध और दुग्धोत्पादों का विपणन करने के लिए प्रचालन क्षेत्र (1) कस्बों/नगर/स्थान जहां उत्पादों का विपणन किया जाना
6. वार्षिक/वार्षिक उत्पादन क्षमता
  - (क) दूध
  - (ख) दुग्धोत्पाद (उत्पाद की किस्म बताएं और अलग से ब्योरा दें)
7. क्षमता संनिर्धारण सहित संस्थापित किए जाने वाले उपस्कर के विनिर्देश

यह रजिस्ट्रीकरण दूध और दुग्धोत्पाद आदेश, 1992 के उपबंधों के अधीन जारी किया गया और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र धारक नीचे विनिर्दिष्ट शर्तों का भी अनुपालन करेगा।

शर्तें:—

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र का धारक :

1. दूध और दुग्ध आदेश, 1992 के उपबंधों और उनके अधीन जारी किए गए निर्देशों या अनुदेशों का अनुपालन करेगा।
2. अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी क्रियान्वयन प्राधिकारियों और उनके कामियों को आवश्यकता पड़ने पर प्रवेश करने देगा।
3. मिल्क शेड से दूध के संग्रहण को निर्वन्धित करेगा और इसके बाहर से, इस आदेश के अधीन अनुज्ञात को छोड़कर दूध संग्रहण नहीं करेगा।
4. इस रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उपदिष्ट उत्पादन की मात्रा से अधिक उत्पादन नहीं करेगा।
5. उपरोक्त आदेश में अपेक्षित कालिक विवरणियां भेजेगा।
6. कोई अन्य शर्त जो केन्द्रीय सरकार अधिरोपित करे।

स्थान :

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

तारीख :

## तीसरी अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन

[पैरा 6 का उप पैरा (3) देखिए]

1. आवेदक का नाम और पता, विद्यमान रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियों सहित।
2. प्रबंध निदेशक, निदेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, स्वामी आदि के नाम
3. आवेदक के प्रबंध स्वामित्वाधीन कारखाना/छेरी संयंत्र और सभी स्थापनों और परिसर का पता
4. तूरभाष संख्या/तार/टेलिक्स
5. (क) प्रति वर्ष मात्रा सहित दूध और दुग्धोत्पादन का विवरण जिसकी उठाई-धराई प्रसस्करण/नियंत्रण या विनिर्माण के लिए आवेदक के पास उपस्कर है (संपूर्ण विवरण दें)

(ख) यदि पहले से ही दूध या दुग्धोत्पादों की उठाई-धराई/प्रसंस्करण/नियंत्रण या विनिर्माण कर रहे हैं, तो गत तीन वर्षों में प्रत्येक उत्पाद की वार्षिक मात्रा (प्रत्येक वर्ष के लिए अलग से विवरण दें)

(ग) उठाई-धराई, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए प्रस्तावित दूध या दुग्धोत्पाद की प्रत्येक मद की मात्रा।

6. द्रुतशीतन/संग्रहण केन्द्रों सहित शाखाएं।

7. पूर्व संदस रजिस्ट्रीकरण फीस का ब्यौरा।

8. दूध और प्रत्येक दुग्धोत्पादों की कुल प्रमाणा जिसकी पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उठाई-धराई की गई या जिसका प्रसंस्करण या नियंत्रण किया गया।

9. यदि, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन लाइसेंस प्राप्त करने या रजिस्ट्रीकरण के पश्चात स्थापित किया गया है तो कृपया सभी शर्तों सहित लाइसेंस या रजिस्ट्रीकरण की एक फोटोकॉपी प्रस्तुत करें।

10. दूध की औसत मात्रा जिसका प्रतिदिन उपयोग किया गया या जिसकी उठाई-धराई की गई।

(क) कमी के मौसम में

(ख) प्रचुरता के मौसम में।

मैं/हम दूध और दुग्धोत्पाद आदेश, 1992 के उपबंधों का अनुपालन करने के लिए बचनबद्ध करता हूँ/करते हैं।

रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए विहित फीस साथ भेजी जा रही है।

स्थान :

आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर

तारीख :

चौथी अनुसूची

तिमाही विवरणी

[पैरा 14 का उप पैरा (1) देखिए]

ज़ेरी संयंत्र/इकाई/अन्य स्थापन/परिसर

..... को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए

(पते सहित)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक का नाम	कस्बा/जिला	राज्य
रजिस्ट्रीकरण संख्या	जारी करने की तारीख	
स्टॉक की स्थिति		
बसा (मीटरी टन) ठोस पदार्थ जिसमें लसा न हो (मी. टन)		

आरंभिक स्टॉक

प्राप्तियां

प्रेषण

बंद स्टॉक

दूध उत्पादन

उत्पादन का स्रोत	दूध का प्रकार	कुल मात्रा (मी. टन)	कुल बसा (मी. टन)	कुल एम. एन. एफ. (मी. टन)	**मूल्य रुपये/ कि. ग्रा. दूध	**मूल्य रुपये कि. ग्रा. बसा	**मूल्य रुपये/ कि. ग्रा. एम. एन. एफ.	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
ग्राम दुग्ध उत्पादक	गाय का दूध							
सहकारी सोसाइटियां	भैंस का दूध							
	मिश्रित दूध							
दुग्ध उत्पादक सह-	गाय का दूध							
कारी संघ/महासंघ	भैंस का दूध							
	मिश्रित दूध							
अन्य एजेंसियां	गाय का दूध							
	भैंस का दूध							
	मिश्रित दूध							

\*\* नाम, स्थान आदि संबंधी विवरण संलग्न करें। दूध की उतराई कीमत उपदर्शित करें।

वस्तुओं के संरक्षण के कारण

तिमाही के दौरान योग (मीटरी टन)

उपयोग में लाई गई वस्तुएं	सम्पूर्ण दुग्ध चूर्ण	मखनिया दुग्ध चूर्ण	बटर ग्रायल	सफेद मखन
विक्रय के लिए संयोजित दूध				
ग्राम्य दुग्ध उत्पाद				
निम्न उत्पाद				
उत्पाद	उत्पादित मात्रा (मीटरी टन)	बसा	औसत एस. एन. एफ.	
1. सफेद मखन				
2. टेबल बटर				
3. घी				
4. मखनिया दुग्ध चूर्ण				
5. संपूर्ण दुग्ध चूर्ण				
6. शिशु आहार				
7. मास्टयुक्त आहार				
8. चाकलेट उत्पाद				
9. चीज				
10. दूध या दुग्धोत्पाद युक्त अन्य वस्तु				
11. प्राइसक्रीम				
12. योगर्ट				

सीधा शहरों में बेचा गया दूध (साम)	वैक्रिय (विनिवित्त करें)	तिमाही के दौरान कुल मात्रा ('000 ली.)	औसत बसा / टोस पदार्थ जिसमें बसा न हो	उपभोक्ता कीमत (रु./लीटर)	ग्राम्य डेयरीयों को बेजा गया दूध (डेयरी का साम)	तिमाही के दौरान कुल मात्रा ('000 लीटर)	औसत बसा / टोस पदार्थ जिसमें बसा न हो	कीमत (रुपये/लीटर)
-----------------------------------	--------------------------	---------------------------------------	--------------------------------------	--------------------------	-------------------------------------------------	----------------------------------------	--------------------------------------	-------------------

1.

2.

3.

उत्पाद विपणन

उत्पाद	प्रारम्भिक स्टॉक	तिमाही के दौरान बेची गई मात्रा (मीटरी टन)	अंत स्टॉक (मीटरी टन)	डेयरी पर औसत विक्रय (रुपये/लीटर)
1. सफेद मखन				
2. टेबल मखन				
3. घी				
4. मखनिया दुग्ध चूर्ण				
5. संपूर्ण दुग्ध चूर्ण				
6. शिशु आहार				
7. मास्टयुक्त आहार				
8. चीज				
9. चाकलेट उत्पाद				
10. दूध या दुग्धोत्पाद युक्त कोई अन्य वस्तु				
11. प्राइसक्रीम				
2. योगर्ट				



## पांचवी अनुसूची

दूध और दुग्ध उत्पादों की उठाई-धराई, प्रसंस्करण, नियंत्रण या विनिर्माण के लिए स्वच्छता संबंधी अपेक्षाएं

(पैरा 25 देखिए)

दूध और/या दुग्ध उत्पाद के उठाई-धराई, प्रसंस्करण, विनिर्माण या नियंत्रण के प्रयोजन के लिए स्वच्छता संबंधी अपेक्षाएं निम्नलिखित होंगी :—

- परिसर साफ सुथरा हो, उसमें प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा हवादार हो। उसमें समुचित रूप से सफेदी व रंगरोगन किया हुआ हो। उसमें विसंक्रमण और निर्गन्धीकरण व्यवस्था हो। इसके चारों ओर खुला स्थान होना चाहिए।
- इमारत स्थायी स्वरूप की हो तथा ईंट तथा सीमेंट से अथवा अन्य किसी ऐसे पदार्थ से निर्मित हो जिससे स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। दरवाजों में हाइड्रोलिक डोर क्लोजर लगे हों ताकि वे स्वतः बंद हो जाएं और कीटों, मक्खियों आदि के परिसर में प्रवेश को रोक सकें या इस प्रयोजन के लिए तापस्थायी एअर कार्टेन का प्रयोग किया जाए। छत स्थायी स्वरूप की हो। फर्श सीमेंट टाइल या पत्थर का बना होना चाहिए जो अम्ल अथवा क्षार के प्रभाव को सहन कर सके। दिवारों पर फर्श से कम से कम डेढ़ मीटर ऊंचाई तक टाइलें लगी हों ताकि वे पानी से गीली न हो सकें। संवातन और प्रकाश व्यवस्था कारखाना अधिनियम, 1948 द्वारा या उसके अधीन किए गए उपबंधों के अनुसार हों।
- स्थापन का अनुरक्षण इस प्रकार किया जाए कि स्वास्थ्यकर उत्पादन अनुज्ञात किया जा सके और दूध या दुग्ध उत्पादों की उठाई-धराई, प्रसंस्करण या विनिर्माण से संबंधित सभी सक्रियाएं कड़ाई से ध्यानपूर्वक तत्समय प्रवृत्त कारखाना अधिनियम, 1948 द्वारा या उसके अधीन अधिकथित स्वच्छता की शर्तों के अनुरूप हों। परिसर का उपयोग आवासिक परिसर के रूप में नहीं किया जाए।
- उसमें जल प्रदाय पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए। पानी शुद्ध और पीने योग्य तथा विकृतिजन्य सूक्ष्मजीवरहित होना चाहिए। पानी को किसी मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रसायन तथा जीवाणुओं की उपस्थिति का पता लगाने के लिए समय-समय पर जांच कराई जाए तथा उससे इस आशय का प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाए कि पानी मानव उपयोग के योग्य है। लाइसेंसधारी इस प्रकार की जांच का व्यय स्वयं वहन करेगा। लाइसेंसधारी उस दूध की जिसकी उठाई-धराई की जानी हो, कुल मात्रा (अर्थात् डेरी की निर्धारित क्षमता) के कम से कम 3.5 से 4 गुना पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा जिसमें सांद्रण संयंत्र के माध्यम से दूध में से प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।
- इसमें जल निकासी की दक्ष प्रणाली होगी और व्ययन से पूर्व कचरे और बहिःस्त्राव के अभिक्रियान्वयन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। ऐसी सुविधाएं स्थायी जल तथा जल निकास नियंत्रण प्राधिकरण तथा संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा अधिकथित अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए।
- जब भी पांच या इससे अधिक महिला या पुरुष कर्मचारियों को नियोजित किया जाए तो स्त्री और पुरुष प्रत्येक के लिए निम्नानुसार पर्याप्त संख्या में शौचालय की व्यवस्था की जाए (आई एस. 1172-1971)

कर्मिकों की सं.	शौचालयों की सं.	वाश बैसिनों की संख्या	भूतलालयों (यूरीनल्स) की संख्या
25 तक	1	1	2
25—49	2	2	3
50—100	3	3	4
100 और इससे अधिक	5	5	7

यह सुनिश्चित किया जाए कि अपना काम शुरू करने से पहले कर्मचारी, साबुन अथवा डिटरजेंट से अपने हाथों को धोयें।

7. संक्रामक या सांसर्गिक रोग से ग्रस्त किसी भी व्यक्ति को परिसर में कार्य करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। छह महीने में एक बार स्टाफ की स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए प्रबंध किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे संक्रामक, सांसर्गिक और किसी अन्य बीमारी से मुक्त हैं। किसी चिकित्सा व्यवसायी द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रकार की गई परीक्षा का

अभिलेख निरीक्षण के लिए रखा जाएगा। संयंत्र में कार्य कर रहे स्टाफ को प्रवेशागामी समूह (एंटरिक ग्रुप्स) के रोगों के प्रतिरोधी टीके लागू किये जाएंगे और वर्ष में एक बार चेचक (समाप्त पाँक्स) के प्रतिरोधी टीके लगाए जाएंगे और निरीक्षण के लिए इनका एक प्रमाणपत्र रखा जाएगा।

महामारी (एपीडेमिक) की दशा में सभी श्रमियों को टीके लगाए जाने चाहिए, किसी भी उस कर्मचारी को परिसर में कार्य करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जिसके हाथ अथवा चेहरे पर जखम हों, जो चमड़ी के संक्रमण अथवा क्लीनीकली मान्य संक्रामक रोगों से ग्रस्त हों।

ऐसे किसी भी व्यक्ति को कच्चे माल या असंरक्षित उत्पादों की उठाई धराई की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जिसने जखम को ढांपने के लिए बैंडेज, प्लास्टर या सुरक्षात्मक पट्टी लगाई हो।

उत्पादों के प्रसंस्करण और तैयारी में कार्यरत स्टाफ को सफेद एपरन या वर्दी और टोपी (हेड गैर) दिए जाएंगे, ये स्वच्छ और साफ होने चाहिए। प्रबंधमंडल यह सुनिश्चित करेगा कि सभी श्रमिक स्वच्छ और साफ हों। प्रबंध मंडल उन सभी श्रमिकों को "फैस मास्क भी प्रदान करेगा जो मक्खन चूर्ण और चीज बनाने और पैकिंग वाले अनुभागों में कार्यरत ह।

8. दुग्ध उत्पादों के परिवहन या वितरण के काम में आने वाले मोटर यान, ट्रैक वैन, ट्रान्शियां ग्रेजी आधान आदि को हमेशा साफ अवस्था में रखा जाएगा और दूध के सम्पर्क में आने वाले सभी पुर्जे स्टेनलेस स्टील के बने होंगे या जो फाइबर ग्लास से संलेपित खाद्य श्रेणी के रेजिन से विलेपित होंगे। हर तीसरे वर्ष सड़ को खाद्य श्रेणी के रेजिन से विलेपित किया जाएगा और रेजिन से विलेपित बर्तनों के मामले में निरीक्षण के लिए एक प्रमाणपत्र रखा जाएगा।

9. पर्याप्त सी.आई.पी. प्रणालियां रखी जाएंगी। प्रत्येक में इस प्रकार से गर्म जब अम्ल और आवश्यक पाइपों और फिटिंग के साथ सी टैंक होने चाहिए कि सी.आई.पी. धोल प्रत्येक ओर हर उपस्कर में तब तक परिचालित होता रहे जब तक कि अपेक्षित मानक तक सभी उपस्कर और सहायक उपस्कर साफ न हो जाएं।

10. दूध और दुग्ध उत्पादों की उठाई-धराई में काम आने वाले उपस्कर एम एम पी ए बी द्वारा समय-समय पर नियत स्वच्छता संबंधी मानकों के अनुरूप होने चाहिए।

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 405(E).—Whereas the Central Government is of opinion that for maintaining and increasing the supply of liquid milk of the desired quality in the interest of the general public, it is necessary to provide for regulating the production, supply and distribution of milk and milk product;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title, extent and commencement :—(1) This Order may be called the Milk and Milk Product Order, 1992.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955);

(b) "Board" means the Milk and Milk Product Advisory Board constituted under paragraph 3;

(c) "business in milk and milk product" means sale or purchase of milk or milk product and includes manufacturing, processing, handling or controlling of milk or milk product;

(d) "Chairman" means the Chairman of the Board;

(e) "Controller" means an Officer of the Central Government appointed under paragraph 12;

(f) "milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;

(g) "milk product" means cream, malai, curd, yogurt skimmed milk curd, shrikhand, paneer or channa, skimmed milk paneer or skimmed milk channa, cheese, processed cheese and cheese spread, ice cream, milk ices, condensed milk (sweetened and unsweetened), condensed skimmed milk sweetened and unsweetened), whole milk powder, skimmed milk powder, partly skimmed milk powder, khoya, rabri, kulfi, kulfa, casein, sweets made from khoya, paneer and channa, infant milk food, table butter,

deshi butter, ghee or butter oil, and includes any other substance containing—on a dry weight basis not less than fifty per cent of milk solids (excluding added sugars), or any other substance declared by the Central Government, by notification as a milk product;

- (h) "milk shed" means an area geographically demarcated by the registering authority for the collection of milk or milk product by the holder of a registration certificate;
- (i) "milk producer" means a person owning or keeping or otherwise having control of cow, buffalo, sheep or goat for the production of milk intended for sale or for conversion thereof to any milk product;
- (j) "milk solid" means anhydrous constituents of milk and includes milk fat and non-fat milk constituents either singly or in combination in any proportion;
- (k) "registration certificate" means a registration certificate issued under this Order;
- (l) "Registering Authority" means an authority appointed or designated, subject to the provision of sub-paragraph (2) of paragraph 31, by the Central Government to make registration and to issue registration certificates under this Order;
- (m) "Schedule" means a Schedule appended to this Order.
3. Milk and Milk Product Advisory Board :—(1) soon as may be after the commencement of this Order, but not later than one hundred and eighty days from such commencement, the Central Government shall, by notification in the Official Gazette, constitute a Board to be called the Milk and Milk Product Advisory Board which shall consist of the following namely :—

(I) Official Members :

- (a) Secretary to the Government of India, Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture (ex-officio).  
.. Chairman
- (b) Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development, Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture (ex-officio)—Member.
- (c) Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, Ministry of Industry (ex-officio)—Member.
- (d) Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Food Processing Industries (ex-officio)—Member.
- (e) Additional Director General of Health Services, Government of India, Department of Health, Ministry of Health and Family Welfare (ex-officio)—Member.
- (f) Director, National Dairy Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Karnal (ex-officio)—Member.
- (g) Managing Director, National Dairy Development Board, Anand (ex-officio)—Member.

- (h) Managing Director, National Cooperative Dairy Federation of India, Anand (ex-officio)—Member.

(II) Non-Official Members :

- (a) Two representatives from the cooperative dairying sector—Member.
- (b) Two representatives from the private sector from amongst those engaged in the business of milk or milk product—Member.

(III) Secretary of the Board—Member/Secretary.

- (2) The non-official members and Member-Secretary of the Board, shall be appointed by the Central Government by notification, for a period of three years.
- (3) The terms and conditions of appointment of the Member-Secretary and the non-official members shall be such as the Central Government may from time to time determine.
- (4) A non-official member and Member-Secretary may resign from his office by a notice in writing addressed to the Chairman.
- (5) In the absence of the Chairman, or for the duration for which there is no Chairman, as the case may be, the Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development in the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture shall act as Chairman.
- (6) The Board shall meet at least four times in a calendar year.
- (7) If any vacancy occurs due to death, resignation or otherwise in the office of any non-official member of the Board, the vacancy so caused shall be filled in accordance with the provisions of sub-paragraph (2) above and every person so appointed shall hold office for the remaining period for which the non-official member in whose place he is appointed would have held the Office.
- (8) The quorum for the meeting of the Board shall be five members.
- (9) The Board shall regulate its proceedings in such manner as deems proper, but on any matter on which the votes of the Board are equally divided, the Chairman or the person presiding over the meeting shall have a second or casting vote.

4. Functions of the Board:—(1) The Board shall assist, aid and advise the Central Government on any matter concerning the production, manufacture, sale, purchase and distribution of milk and milk product and on matters incidental thereto.

(2) Without prejudice to the generality of the provisions of sub paragraph (1), the Board may advise the Central Government on matters relating to,—

- (a) facilitation of the supply of availability of liquid milk, by balancing uneven supplies in different regions and seasons;
- (b) maintenance or increase in the supply of milk, and equitable distribution and availability thereof;

- (c) establishment of proper standards and norms for control and handling of milk and milk product;
- (d) maintenance of high standards of sanitary and hygienic conditions in the manufacture of milk and milk product;
- (e) establishment, promotion or registration of any industry which is relatable to milk product; and
- (f) such other purposes as are necessary or incidental to the effective implementation of the Order;

(3) Where the Central Government considers that the expertise of the Board may be utilised in the implementation of this Order in any respect, it shall be competent for the Central Government to direct that any of its functions relating to the implementation of the Order shall be performed by the Board, subject to such conditions, restrictions and limitations as the Central Government may specify, whereupon it shall be competent for the Board to discharge those functions.

5. Registration.—(1) On and from the date of commencement of this Order, no person shall manufacture or carry on business in milk or any milk product nor create any manufacturing facility for the business, unless such person has made an application within ninety days from such commencement in the form specified in the First Schedule along with the prescribed fee to the registering authority for obtaining the registration certificate.

(2) The provisions contained in sub-paragraph (1) shall apply to such person who handles or is equipped to handle or who has in the establishment or unit under his ownership or control (or where he has more than one such establishment, all the establishments put together) installed capacity for handling milk in excess of ten thousand litres per day, or milk product containing milk solids in excess of five hundred tonnes per annum.

(3) Where any person or undertaking or establishment or unit, who or which was duly authorised immediately before the date of commencement of this Order, to handle, process or manufacture milk or any milk product after obtaining licence or registration certificate under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), every such person, undertaking, establishment or unit holding such licence or registration certificate shall also make an application for registration under sub-paragraph (1) together with the prescribed fee.

(4) In the case of licence or registration certificate referred to in sub-paragraph (3), the terms and conditions of the registration under this Order shall cover only matters such as the specification of milkshed or any other matter which does not fall within the purview of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

(5) On receipt of the application, the registering authority may call for such other particulars as it may deem necessary for arriving at a decision about the matter of registration and the applicant shall be bound to furnish the same within such period as may be specified by the registering authority in this behalf.

(6) After making such enquiries as it may deem fit,—

- (a) in respect of applicant referred to in sub-paragraph (3), the registering authority shall make the registration and issue the registration certificate to the applicant in the form specified in the Second Schedule;
- (b) in cases, where an application is made under sub-paragraph (1), the registering authority may, after making such enquiry as it may deem fit,—
- (i) make the registration and issue the registration certificate in the form as specified in the Second Schedule subject to such terms and conditions as may be specified having regard to the provisions contained in sub-paragraph (8) hereinafter; or

- (ii) refuse the registration by specifying the reason for such rejection.

(7) Every application for registration shall, as far as may be, disposed of by the registering authority within a period of sixty days from the date of receipt of the application :

Provided that the time taken by the applicant in furnishing the particulars under sub-paragraph (5) shall be excluded in calculating the period of sixty days.

(8) In specifying terms and conditions, the registering authority shall have regard to the following, namely :—

- (i) the proper utilisation of milk in the region from the milksheds;
- (ii) the availability of milk for the general public;
- (iii) the quality and quantity of milk available in the region;
- (iv) the remunerative price for milk;
- (v) the facilities available for handling milk and milk product;
- (vi) the policy of preferential treatment to the cooperative sector; and
- (vii) any other matter which may be relevant to the healthy development of the dairy industry.

(9) While issuing a registration certificate under this Order, where the registering authority has specified the milkshed, the holder of the registration certificate shall be bound to confine the collection of milk to that milkshed.

(10) Separate registration certificate shall be obtained in respect of each undertaking or establishment or unit if the holder of the registration certificate carries on business in milk or milk product in more than one premises.

6. Registration and its renewal :—(1) The registration certificate issued under this Order shall be valid for a period of three years from the date of issue.

(2) Where an application for registration is made under sub-paragraph (3) of paragraph 5, the existing terms and conditions of the licence referred to in that paragraph shall remain valid until an order for registration is passed on such application.

(3) Every application for renewal of registration certificate shall be made to the registering authority in the form as specified in the Third Schedule at least sixty days before the expiry of the period of the registration :

Provided that the registering authority may entertain an application received after the expiry of the said period, if he is satisfied that there was sufficient and reasonable cause for not making the application within the said period.

(4) In the case of an application for renewal of registration certificate, referred to in sub-paragraph (3) of paragraph 5, the renewal shall not be refused unless there has been a violation of the terms and conditions of the registration under this order :

Provided that no such application shall be rejected unless the applicant has been given a reasonable opportunity for showing cause against the rejection.

Provided further that a copy of the order rejecting the application shall be communicated to the applicant.

7. Modification, addition or alteration in equipment or premises.—In case of any application for registration under paragraph 5 or for the renewal thereof under paragraph 6, if the registering authority, on receipt of a report or otherwise, is satisfied that any modification, addition or alteration is necessary, in equipment or premises for the maintenance of optimum standards of sanitary requirements, or to ensure the quality standards of milk or milk product, or to secure cleanliness in relation to the machinery or the premises, he may, instead of issuing or renewing the registration certificate, as the case may be, issue a provisional registration certificate together with a direction to the holder of the registration certificate to carry out the modification, addition or alteration within a stipulated period, and registration shall



be granted if it is complied within the said period as and in the event of any failure or default in compliance of directions, the registration shall be cancelled.

8. Fee for registration and renewal :—(1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2), the Central Government may, by order, specify the fee payable for registration and for renewal of registration under this Order and also specify the manner in which fee shall be payable.

(2) Every application for registration or for its renewal shall be accompanied by a fee of rupees one thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government, and the fee paid by an applicant for registration or its renewal, as the case may be, shall be refunded if no registration or its renewal is made.

Provided that in the case of an application for registration or its renewal in relation to handling processing or manufacturing of one hundred thousand litres of milk per day or any milk product containing five thousand tonnes of milk solids per annum, the same shall be accompanied by a fee of rupees five thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government.

9. Transfer of registration :—(1) In the event of death of the holder of a registration certificate, his legal representative may apply to the registering authority for transfer of registration in his favour, and the registering authority shall after making such enquiry as he may deem fit, if he is satisfied that the applicant is the legal representative, grant the registration and issue the registration certificate or, where the registering authority is not satisfied about the claim of the applicant to be the legal representative, for reasons to be recorded in writing, reject the application :

Provided that no such application shall be rejected unless, the applicant has been given a reasonable opportunity for showing cause against the rejection :

Provided further that a copy of the Order rejecting the application shall be communicated to the applicant.

(2) When an application for transfer of registration has been made under sub-paragraph (1), the registering authority may permit the carrying on of the business in milk or milk product pending disposal of the application for registration.

10. Production or handling of milk or milk product.—(1) On or after the commencement of this Order, no person to whom a registration certificate has been issued under this Order shall handle, produce or deal with any item of milk or milk product in excess of the capacity specified in the registration certificate or collect milk from outside the milkshed area specified in the registration certificate unless he obtains the previous permission of the Controller to do so.

(2) Where an application is made by any holder of registration certificate for manufacturing, handling, producing or dealing in milk or any milk product in excess of the quantity specified in the registration certificate or for collecting milk from outside the area specified in the registration certificate, the Controller shall give permission for such excess quantity only for a specified duration and that too after he is satisfied that it is necessary in the public interest to allow the holder of the registration certificate to do so.

(3) The Controller may, suo moto, by order, during the specified period, permit any class or category of registration certificate holders to manufacture, handle, produce or deal in any item of milk or milk product, in excess of the capacity allowed under the registration certificate, if he considers it necessary to do so in the public interest.

(4) The Central Government may, by general or special order, issue directions to the Controller on the circumstances and the manner in which, he shall exercise the powers under sub-paragraph (3).

11. Collection of milk :—(1) Every holder of registration certificate shall collect or procure milk only from the milkshed assigned under the registration certificate.

(2) Within the area of the milkshed specified in the registration certificate, the collection and procurement of milk shall be made from the milk producers cooperatives of that area to the extent such cooperatives are able to supply milk,

(3) Where the registering authority considers it necessary in the public interest, by reason of shortage of milk in the milkshed or of surplus liquid milk in an area outside milkshed area, it may permit the holder of the registration certificate to collect or procure milk from outside the milkshed, for such period, not exceeding ninety days, as it may specify in that behalf.

(4) The collection of milk from outside the milkshed in accordance with sub-paragraph (3) shall be made only through cooperative milk federation or union, at a price mutually agreed upon, and in the absence of any such agreement, at the price at which the cooperative federation or union concerned sells milk to any other cooperative federation or the union.

(5) The liquid milk shall not be used for making any milk product (even within the limits of capacity provided in the registration certificate) during such period as the Central Government may, by notification, in the Official Gazette specify.

12. Appointment and functions of Controller.—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint or designate any officer of the Government, not below the rank of a Joint Secretary to Government of India, to exercise the powers and functions of the Controller under this Order.

(2) The Controller shall, subject to the control of the Central Government, be responsible for the general implementation and control of the provisions of this Order.

(3) The Controller shall, without prejudice to any other powers conferred upon him under this Order and the powers of the Central Government under paragraph 13, be responsible for implementing the provisions of this Order and shall take such steps as may be necessary for furtherance of the purposes of this Order.

13. Appointment and functions of registering authority.—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint or designate as many Officers of the Central or State Government or a statutory body set up by an Act of Parliament or State Legislature, as it may deem fit, as registering authority and specify their respective jurisdiction.

(2) The registering authority shall deal with applications for registration and issue registration certificates under this Order and perform, within its jurisdiction, all functions in connection therewith for compliance with the terms and conditions of the registration.

14. Quarterly returns and additional information.—(1) Every holder of the registration certificate shall, within thirty days of the expiry of every quarter, submit to the registering authority, a return in duplicate, in the form specified in the Fourth Schedule.

(2) The registering authority may call for such information as it may deem necessary from the holder of the registration certificate or from any other person dealing with or handling or processing or manufacturing milk or milk product, to ascertain the quantity and quality of milk or milk product dealt with or handled or processed or manufactured or sold by him in respect of any period that he may specify, or such other information as may be required for implementing the provisions of this Order.

(3) The Central Government or any officer or authority authorised or designated by it in this behalf may, to satisfy itself or himself that the provisions of this Order are being complied with, require any person, who in its or his opinion is likely to use milk or a milk product for a purpose not in conformity with this Order or registration thereunder, to furnish within such period and in such form or at such intervals as may be specified, such additional information or returns as he or it may deem proper.

15. Power to enter, inspect and seize.—(1) The registering authority or any other officer authorised by it, may carry out periodic inspection of any premises in which manufacture or processing, or business in milk or any milk product is carried on, with a view to ensuring compliance with the provisions of this Order or of any direction issued in pursuance thereof or supply of genuine and proper material to



consumers, and where the registering authority, otherwise considers it necessary by general or special order, it may—

- (a) require any holder of the registration certificate or any other person to give any information in his possession with respect to his business;
- (b) require, by notice in writing, any holder of the registration certificate or any other person to furnish samples of any milk or milk product or of any material used in the manufacture of the same;
- (c) require any holder of the registration certificate or any other person dealing with or manufacturing or processing or handling milk or milk product, in writing, to produce books, documents or the registration certificate issued to him;
- (d) inspect or cause to be inspected any of the books or documents in the possession of or under the control of such persons;
- (e) inspect or cause to be inspected any stock or any such vehicle, vessel or receptacle, if he has reason to believe that goods procured are in violation of the terms and conditions of the registration or in contravention of the provisions of this Order;
- (f) enter and search any premises and seize any article to which this Order applies and in respect of which he has reason to believe that contravention of this Order has been or is being or is about to be committed and take or authorise to take all measures necessary for securing the production of stocks with reference to milk or milk product so seized in the Court or for their safe custody, pending such production.

(2) The authority or the officer referred to in sub-paragraph (1) may,—

- (a) detain, on giving a proper receipt, raw materials, documents account books, or other relevant evidence connected with the handling or processing or dealing with or manufacture of milk or milk product in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has taken place;
- (b) collect, from the holder of the registration certificate, on giving a proper receipt, samples of milk or milk product or any ingredient used in the preparation of such milk or milk product from the premises of the holder of the registration certificate in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has taken place.
- (c) collect, on payment, from any person samples of milk or milk product sold, or intended to be sold or kept for despatch or delivery to any dealer, agent or broker for the purpose of sale, and get such samples analysed at a recognised laboratory specified under sub-paragraph (6) of paragraph 23.

(3) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) shall, as far as may be, apply to every search under this Order.

16. Suspension or cancellation of registration.—(1) The registering authority may suspend or cancel the registration certificate issued under this Order, if the holder of the registration certificate,—

- (a) wilfully furnishes incorrect information at the time of applying for the registration.
- (b) fails to comply with any of the terms or conditions of the registration certificate, or acts in contravention thereof;
- (c) fails to comply with any of the directions issued by the registering authority, or where duly authorised in pursuance of the provisions of this Order, by any other person;
- (d) fails to furnish any information or return as required or may be required under the provisions of this Order;
- (e) save as otherwise permitted under paragraph 11,—
  - (i) collects, procures or produces any item of milk or milk product beyond the limit specified in the regis-

tration certificate issued to him in relation to that item;

- (ii) collects milk from any area outside the milkshed specified in the registration certificate; and

(f) in any other manner contravenes any of the provisions of this Order.

(2) While exercising powers under sub paragraph (1), it shall be open to the registering authority to issue an order of suspension in the first instance and thereafter an order of cancellation if the default or failure persists.

(3) Before any registration certificate is cancelled in pursuance of sub-paragraph (1) or sub-paragraph (2), the registering authority shall give an opportunity to the holder of the certificate to show cause and in every case where the registration certificate is cancelled, a further period of three months for winding up of the business shall be given to the holder of the certificate and during that period he may carry on the business to such extent only as may be necessary for winding up the operations.

17. Maintenance of records.—The registering authority may, by general or special order, direct any person engaged in the manufacture or processing or other business of milk or any milk product to maintain such records of his business in such manner and to submit to him such returns relating to the business as have been or may be specified under the provisions of this Order.

18. Appeal to Controller.—(i) Any person aggrieved by any order of a registering authority, or any other officer authorised by it, may, within thirty days of the order, prefer an appeal to the Controller who shall, after giving the person a reasonable opportunity of being heard, pass such orders thereon, as he may deem proper;

Provided that the Controller may entertain an appeal after the expiry of the said period of thirty days if he is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing an appeal within time.

(2) Every appeal under sub-paragraph (1) shall be accompanied by a fee of Rupees five hundred only or as may be revised from time to time by the Central Government.

19. Powers of Central Government to issue directions.—(1) Notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government shall have power to issue any direction to the Board or to the Controller or to any registering authority, in respect of any of the matters dealt with in this Order or on any matter relevant thereto, and such direction shall prevail over any other order or direction validly made earlier.

(2) Notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government shall have power to issue any direction in respect of any of the matters dealt with in this Order including any direction relating to any restraint or restriction or free inter-state movement of milk or milk product.

20. Temporary registration on production of milk product.—(1) The Controller may, if he is satisfied that it is necessary so to do to maintain or increase the supply of liquid milk in any region, direct, by Order published in the Official Gazette, that for the period mentioned in the said Order, the distribution of liquid milk or the production of any milk product by any class or category of producers or manufacturers thereof shall be restricted in such manner as may be specified in the Order, provided that no such Order shall remain in force for a period of more than ninety days at a time.

(2) In making the restriction referred to in sub-paragraph (1), the Controller shall have regard to the following factors, namely :—

- (a) the availability of liquid milk in the region,
- (b) the demand for liquid milk by the general public in the region,
- (c) the availability of skimmed milk powder and white butter for reconstitution into liquid milk by dairy plants,
- (d) the inter se importance of liquid milk and the concerned milk product proposed to be restricted, and
- (e) any other factor relevant for maintaining the liquid milk supply.

21. Levy on Skimmed milk powder and milk fat.—(1) Where the Controller is satisfied that it is necessary to do so for the purpose of ensuring liquid milk supply to the general public of any region, he may, by order, direct any class or category of producers or manufacturers of skimmed milk powder or milk fat in that region to make available such percentage of their total production of all or any of these commodities as he may deem appropriate, to any authority designated by him for the purpose.

(2) Every producer and manufacturer referred to in sub-paragraph (1) from whom commodity mentioned therein is made available in pursuance of the direction of the Controller shall be paid the value of the same as may be determined by the Controller.

22. Appeal to the Central Government.—(1) An appeal against any order or direction issued by the Controller under this Order, shall lie, within thirty days of the issuance of this Order, to the Central Government, and the Central Government shall, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order thereon as it may deem proper :

Provided that the Central Government may entertain an appeal after the expiry of the specified period if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal within the specified time limit.

(2) Every appeal under sub-paragraph (1) shall be accompanied by a fee of Rupees one thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government.

23. Procedure for drawing samples, conducting analysis, and issue of prohibition Order.

(1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2) of paragraph 15, the registering authority or any officer or authority authorised or designated by him, when drawing the sample shall follow the under-mentioned procedure,—

(a) the sample shall be drawn in such manner as to render the sample to be homogeneous and representative so that the analysis can furnish reliable data of the nature and content of the article :

Provided that where milk or any milk product is kept, sold or stored for sale or for distribution in sealed containers having identical label declaration, the contents of one or more of such containers as may be required to satisfy the quantity required for proper analysis, shall be treated to be a part of the sample :

Provided further that, while taking a sample, notice in writing shall be given then and thereof the intention to have it so analysed to the person from whom the sample is taken;

(b) the sample shall forthwith be separated into three equal parts, and each part put in a separate container, marked and sealed;

(c) one of the parts of the sample shall be sent for analysis to a recognised laboratory and the remaining two parts shall be sent to the Controller or to any institution authorised by him for custody for use in case a re-test of the sample is required.

(2) The laboratory to which sample is sent shall make a report to the registering authority of the results of the analysis of the sample within a reasonable time.

(3) Where any action is contemplated against any person on the basis of the sample drawn from him which on analysis by the recognised laboratory was found to be sub-standard or unsuitable, he shall have a right to have the second part of the sample sent for further analysis by a second laboratory duly authorised by the Controller for the purpose, and upon receipt of any such request made within fifteen days of receipt of information about the sample not satisfying the prescribed standard, the registering authority shall forward the same to the second laboratory whose report shall supersede the report given by the first laboratory mentioned in sub-paragraph (1) and the same shall be final and conclusive evidence of the facts stated thereunder.

(4) The fee payable for analysis made by the second laboratory aforesaid shall be paid by the person at whose instance the registering authority called for the further analysis.

(5) Where the quality of milk or milk product, as the case may be, is found, on second analysis to be sub-standard or unsuitable, the registering authority may, by an order in writing, prohibit the sale of the same as well as the handling or processing or manufacture of any such milk or milk product.

(6) Every laboratory recognised for the purpose of the Bureau of India Standard Act, 1986 (Act 63 of 1986) and any other laboratory which may be subsequently recognised by the Central Government by an Order shall be a laboratory recognised for the purposes of this Order.

24. Publication of list of holders of registration certificates.—(1) The Controller shall, as soon as may be after the commencement of this Order, publish in the Official Gazette, a list of the names and addresses of the holders of registration certificates and that of their establishments or Units, together with a description of the milk or milk product covered by their respective registration certificates.

(2) The Controller may thereafter undertake similar periodic publication,—

(a) giving particulars of any person who is subsequently issued a registration certificate, or whose certificate is amended or cancelled;

(b) giving a consolidated list inserting therein the modifications made to the first list published under sub-paragraph (1).

25. Sanitary requirements for milk and milk products.—The premises in which milk or any milk product is being handled, processed, manufactured, stored or distributed, by the holder of the registration certificate, and the persons handling them shall conform to the sanitary requirements and standards as specified in the Fifth Schedule.

26. Certification, packing, marking and labelling.—(1) Every person engaged in the business of handling, processing or manufacturing milk or any milk product, shall, in regard to the items of milk or milk product manufactured and the packing, marking and labelling of containers thereof, comply with the following requirements, namely :—

(i) The product related to that items shall be got certified by the Officer authorised in this behalf by the registering authority to the effect that the goods conform to the standards of quality prescribed by the Central Government,—

(a) in the case of any new product manufactured for the first time after the commencement of this Order, before the product is released from the premises for the first time after manufacture, and

(b) in the case of any product which is already being manufactured at the commencement of this Order, at any time when the person is called upon by the registering authority to get the product certified;

(ii) where certificate is issued to any person in relation to any item, such person shall be authorised to place an emblem of certification on the packaged goods;

(iii) every certificate issued under this paragraph shall require—

(a) that all subsequent despatches or releases of the item of milk or milk product shall conform to the standard specified at the time of certification;

(b) that the certificate holder is authorised to place the certificate number and the emblem of certification on such packaged goods and that the same shall be displayed prominently on each of them; and

(c) the label on the packaged goods shall not contain any statement, claim, design or device which is false or misleading in any manner concerning the milk or milk product contained in the package or about the quality or the nutritive value or of the place of origin of the same;

(iv) the constituent ingredients of milk or milk product shall conform to the standards prescribed by the Central Government.

(2) In every case where the milk or milk product is packed by the holder of a registration certificate in a tin, barrel, carton or any other container, the registration number shall either be exhibited prominently on the side label of such container or be embossed, punched or printed prominently thereon.

(3) There shall be specified on every label of a package of milk or milk product,—

- (a) the name, trade name or description of the article contained in the package;
- (b) the name and business address of the holder of registration certificate and the registration number;
- (c) the net weight or number or measure or volume of contents, as the case may be;
- (d) a batch or code number, except in the case of any—

(i) package weighing less than 60 grams or 60 millilitre of milk or milk product; and

(ii) milk (including sterilized milk but not including condensed milk) packed in bottles, cartons, or sachets;

- (e) the day, month and year of manufacture or packing milk and the month and year of manufacture or packing of milk product :

Provided that this clause shall not apply in the case of ice cream, butter and cheese, and bottles, cartons or sachets containing liquid milk (not being condensed milk), beverage containing milk as ingredient, which are returnable by the consumer for refilling :

- (f) the date of manufacture or packing on packages containing sterilized milk infant milk food.

(4) A holder of registration certificate shall not pack milk or any milk product other than those processed or manufactured by him or, those obtained from any other person holding a registration certificate.

(5) Without prejudice to the generality of the provisions contained in sub-paragraph (1), the registering authority may, by order, specify the requirements with regard to the packing, marking and labelling of packages of milk product of any specified type or description, whether such milk product is manufactured in India or not, and every manufacturer or person authorised by him shall be bound to comply with the provisions of such order.

(6) Nothing contained in this paragraph shall apply to milk or milk product imported into India.

27. Compliance with directions and orders.—(1) The Controller may issue such directions or instructions consistent with the provisions of this Order as may be necessary for carrying out the provisions of this Order.

(2) Every person to whom any direction or instruction is given or order is issued, in pursuance of any provision of this Order shall be bound to comply with such direction or instruction or order and any default or failure on the part of the person to comply with the same shall be deemed to be a contravention of the relevant provision of the Order.

(3) Every person shall be bound to furnish any information called for in pursuance of the provisions of this Order and in default, shall be deemed to have violated the provisions of the Order.

(4) No person shall cancel, destroy, mutilate or deface any book, document or any other evidence with a view to evading any provision of this Order.

28. Prosecution.—Any person,

(a) handling or processing or controlling or manufacturing milk or any milk product without obtaining a registration certificate as required under this Order, or

(b) continuing to manufacture or process or handle or pack milk or milk product after suspension or revocation or expiry of registration certificate issued, or

(c) handling, processing, manufacturing, controlling or packing milk or milk product in contravention of the provisions of this Order or of the terms and conditions of the registration certificate, or

(d) Producing any item in excess of the quantity specified for that item in the registration certificate, or

(e) making any manufacturing facility in contravention of the provisions of sub-paragraph (1) of paragraph 5,

shall, in addition to suspension, revocation, or cancellation of his registration certificate, be liable to prosecution for the contravention of the provisions of this Order.

29. Previous sanction for prosecution.—In the case of any contravention of any of the provisions of this Order by the holder of registration certificate or any other person, the registering authority shall obtain the previous sanction of the Controller before initiating the prosecution, and in every such case sanction shall be accorded only if the Controller is satisfied that there is a prima facie case against the holder of registration certificate or other person, as the case may be.

30. Penalty.—Every person who contravenes or is deemed to have contravened any of the provisions of this Order, or any of the terms and conditions of the registration certificate, or fails to carry out any direction or order or request made or instruction given thereunder, shall be punishable under section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

31. Transitional and other provisions.—(1) With effect from the date of commencement of this Order and until the constitution of the Board, and also at any time the Board is not in existence or the Controller is not in position, the Secretary to the Government of India in the Department of Animal Husbandry and Dairying in the Ministry of Agriculture shall be competent to exercise all the powers and discharge all the functions of the Board under this Order, and he may authorise any Officer, not below the rank of Joint Secretary to the Government of India in the Ministry of Agriculture to perform the functions of the Controller till the date of appointment of a Controller in accordance with this Order.

(2) For the transitional period pending the appointment or registering authorities under this Order, it shall be competent for the person exercising the powers of the Controller, to authorise one or more Officers or designate any authority to discharge the functions of a registering authority and determine the jurisdiction in relation to each of them.

32. Repeal and savings.—(1) The provisions of this Order and instructions issued thereunder, shall supersede any order made under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in so far as it relates to milk or milk product.

(2) Notwithstanding such supersession, anything done or any action taken or initiated under those Orders shall be deemed to have been done, taken or initiated under the corresponding provisions of this Order.

[F. No. 4-16/91-DP]

P. G. MURALIDHARAN, Secy.



**FIRST SCHEDULE****Application for registration**

[See Sub-paragraph (1) of paragraph 5]

**PART-I**

1. Name and Address of the applicant.
2. Names of the Managing Director, Directors, Proprietors, Partners, Owners etc.
3. Address of the business/dairy plant and of all the establishments/premises owned or managed by the applicant.
4. Telephone Numbers/Gram/Telex
5. (a) Description of milk and milk products with quantities per year which the applicant is equipped to handle/control process/manufacture. (Give full details).  
(b) if already handling/processing/controlling or manufacturing milk or milk product, the annual quantity of each product in the last three years (Give separately for each year).  
(c) the quantity of each item of milk or milk product proposed to be handled, processed or manufactured.
6. Branches including chilling/collection centres.
7. Installed per day capacity of the dairy plant.
8. Total quantities of milk and each of the milk products handled or processed or controlled during the preceding year.
9. If established after obtaining licence or making registration under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) furnish photocopy of the licence or registration including all conditions attached to it.
10. Milkshed area (Sq. Km.) with the certified map showing physical boundaries.
11. Average quantity of milk per day to be used or handled—  
(a) in lean season.  
(b) in flush seasons.

**PART-II**

[Detailed description of milkshed]

1. Geographical area of the milkshed.
2. Number of districts and villages in each district.
3. Number of breedwise milch cows, buffaloes, sheapard goat, districtwise in the milkshed
4. District map showing Taluka/Tehsil boundaries and major roads/rail roads etc.
5. A brief description about the existing milk procurement, processing and marketing facilities.

6. Milk producers' cooperative societies/union etc.—total and functional in the milkshed.
7. Number of dairy plants—public/private in the milkshed.
8. Any other developmental programme.

I/We hereby undertake to comply with all the provisions of the Milk and Milk Product Order, 1992.

Please find forwarded herewith the prescribed registration fee.

I/We declare that the facts stated herein above and the particulars given in Part I and II are true and correct.

Signature(s) of the applicant(s)

Place :

Date :

## SECOND SCHEDULE

### Registration Certificate

[See Sub-paragraph (7) of Paragraph 5]

Registration No. ....

1. Name and address of the Certificate holder
2. Address of authorised premises for manufacture etc.
3. Subsequent change of premises, if any
4. Area of operation for milk procurement
  - (i) Name of village (Map of the milkshed)
  - (ii) Square km.
5. Area of Operation for marketing Milk and Milk Products.
  - (i) Town/Cities/Places where product are to be marketed.
6. Daily/Annual production capacity
  - (a) Milk
  - (b) Milk Products

(Specify the types of product and give particulars separately)
7. Specifications of equipment to be installed with capacity rating.

This registration certificate is issued under and is subject to the provisions of Milk and Milk Products Order, 1992 and the conditions specified below, shall also be complied with by the holder of the registration certificate.

### CONDITIONS

The holder of the registration certificate shall—

- (1) comply with the provisions of Milk and milk Product Order, 1992 and any direction or instruction issued thereunder.
- (2) give necessary access to all implementing authorities and their personnel to ensure compliance.
- (3) restrict the collection of milk from the milkshed and shall not collect milk from outside it except as permitted under this Order.
- (4) not produce more than the quantities of product indicated in this registration certificate.
- (5) furnish periodic returns as required under the above Order.
- (6) any other condition which may be imposed by the Central Government.

Registering Authority

Place :

Date :



## THIRD SCHEDULE

Application for renewal of registration

[See Sub-paragraph (3) of paragraph 6]

1. Name and Address of the applicant with particulars of existing registration
2. Names of the Managing Director, Directors, Proprietors, Partners, Owners etc.
3. Address of the business/dairy plant and of all the establishments/premises owned or managed by the applicant.
4. Telephone Numbers/Gram/Telex.
5. (a) Description of milk and milk products with quantities per year which the applicant is equipped to handle/process/control or manufacture.  
(Give full details)  
(b) if already handling/processing or controlling or manufacturing milk or milk product, the annual quantity of each product in the last three years  
(Give separately for each year)  
(c) the quantity of each item of milk or milk product proposed to be handled, processed or manufactured.
6. Branches including chilling/collection centres.
7. Details of registration fee paid earlier.
8. Total quantities of milk and each of the milk product handled or controlled or processed during preceding year.
9. If established after obtaining a licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951. (65 of 1951) furnish photocopy of the licence including all conditions attached to it.
10. Average quantity of milk per day to be used or handled,—
  - (a) in lean season
  - (b) in flush season

I/We hereby undertake to comply with all the provisions of the Milk and Milk Products Order, 1992.

Please find forwarded herewith the prescribed fee for renewal of registration.

Signature(s) of the applicant(s)

Place :

Date :

## FOURTH SCHEDULE

## Quarterly Return

[See sub-paragraph (1) of paragraph 14]

For the Quarter ending .....

Name of Dairy Plant/Unit/other  
Establishment/Premises (with address)

Name of the holder of Registration Certificate	Town/District	State
---------------------------------------------------	---------------	-------

Registration Number	Date of issue
---------------------	---------------

Stock Position
----------------

	Fat (Metric Tonnes)	Solids-not-fat (Metric Tonnes)
--	------------------------	-----------------------------------

Opening Stock		
Receipts		
Despatches		
Closing Stock		

Milk Procurement
------------------

Source of Procurement	Type of milk	Total Qty (MT)	Total fat (MT)	Total SNF (MT)	**Prices Rs/Kg of milk	**Prices Rs/Kg. of fat	**Prices Rs/Kg. of SNF	Remarks
Village milk producers	Cow							
coop. Societies.	Buffalo							
	Mixed							
Milk Producers Coop. Unions/ Federations	Cow							
	Buffalo							
	Mixed							
Other agencies	Cow							
	Buffalo							
	Mixed							

\*\* annex details regarding name, location etc. indicate landed price of milk.

MT — Metric Tonnes.

Rs/Kg—Rupees per kilo-gram.

Commodities used for	Reasons for conservation of commodities Total during the quarter (MT)			
	Whole milk powder	Skim milk powder	Butter Oil	White Butter

Combined milk for sale

### Other Milk Products

### Product manufactured

Product	Qty. Produced (MT)	Average		Product	Qty. (Mt)	Average	
		Fat	SNF			Fat	SNF
1. White Butter							
2. Table Butter							
3. Ghee							
4. Skimmed milk powder							
5. Whole milk powder							
6. Infant food							
7. Malted food							
8. Chocolate products							
9. Cheese							
10. Any other article containing milk or milk product							
11. Ice Cream							
12. Yogurt.							

Qty—Quantity

MT—Metric Tonnes

SNF—Solids-not-fat.

Milk sold directly in towns (Name)	Packing (specify)	Total quantity during the quarter (.000L)	Average		Consumer price (Rupees per litre)
			Fat/	Solids-not-fat	

Milk supplied to other dairies (Name of dairy)	Total qty. during the quarter (.000L)	Average		Price (Rupees per litre)
		Fat/	Solids-not-fat	

**PRODUCT MARKETING**

Product	Opening Stock	Quantity sold during the Quarter (Metric Tonnes)	Closing Stock (Metric Tonnes)	Average selling ex-dairy (Rupees per litre)
1. White Butter				
2. Table butter				
3. Ghee				
4. Skim milk powder				
5. Whole milk powder				
6. Infant food				
7. Malted food				
8. Cheese				
9. Chocolate Products				
10. Any other article containing milk or milk product				
11. Ice-Cream				
12. Yogurt				

Signature

Place :

Date :

**FIFTH SCHEDULE**

Sanitary requirements for handling or processing or controlling or manufacturing milk and milk product.

[See paragraph 25]

The following shall be the sanitary requirements for the purpose of handling or processing or manufacturing or controlling of milk and/or milk product, namely:—

1. The premises shall be clean, adequately lighted and ventilated, properly whitewashed or painted. There shall be proper and adequate arrangements for disinfecting and deodourising. There should preferably be the space around it on all sides.

2. The building shall be of a permanent nature and shall be of brick masonry/cement concrete and any other material which would ensure cleanliness. The doors shall be fitted with hydraulic door closers so that they close automatically to prevent insects, flies etc. entering the premises or thermostat air curtains for similar purposes. The ceiling or roof shall be of permanent nature. The floor should be cemented, tiled or laid in stone to withstand the use of acid or alkali. Walls should be tiled or otherwise made impervious to water upto a height of at least 1.5 metres from the floor level. Ventilation and lighting shall be in accordance with the provisions made by or under the Factories Act, 1948

3. The establishment shall be so maintained as to permit hygienic production and all operations in connection with the handling or processing or manufacturing milk or any milk products shall be carried out carefully under strict sanitary conditions as laid down by or under the Factories Act, 1948 as for the time being in force. The premises shall not be used as residential premises; nor shall it have or be capable of having direct access with such premises.

4. There shall be adequate supply of water. Water shall be pure and of potable quality and free from pathological microorganisms. The water shall be examined periodically, chemically and bacteriologically, by a recognised laboratory and a certificate obtained to the effect that it is fit for human consumption. The licensee shall bear the cost of such examination. The registration certificate holder shall ensure water availability of a minimum 3.5 to 4 times the quantum of milk to be handled (i.e. rated capacity of the dairy) including the water, if any, recovered from milk through condensing plant.

5. There shall be an efficient drainage system and provision for treatment of refuse and effluents before disposal. Such facilities shall conform to the requirements laid down by the local water and drainage control authorities and the respective State Pollution Control Board.

6. Whenever five or more employees of either sex are employed, sufficient number of latrines for each sex as under shall be provided (IS : 1172—1971).

No. of workers	No. of latrines	No. of wash basins	No. of Urinals
Upto 25	1	1	2
25—49	2	2	3
50—100	3	3	4
100 & above	5	5	7

It should be ensured that the employees wash their hands with soap or detergent before they resume work.

7. No person suffering from infectious or contagious disease shall be allowed to work in the premises. Arrangements shall be made to get the staff medically examined once in six months to ensure that they are free from infectious, contagious and other diseases. A record of such examination, signed by a medical practitioner, shall be maintained for inspection. The staff working in the plant shall be inoculated against the enteric group of diseases and vaccinated against small pox once a year and a certificate thereof shall be kept for inspection.

In case of an epidemic all workers should be inoculated/vaccinated. No employee who is suffering from a hand or face injury, supporting skin infection or clinically recognisable infectious disease shall be permitted to work in the premises. A person having a bandage, plaster or protective covering for any injury shall not be allowed to handle raw materials or unprotected products.

The staff working in processing and preparation of products shall be provided with white aprons or uniforms and head gears which shall be clean. The management shall see that all workers are neat, clean and tidy. The management shall also provide face masks to all workers working in butter, powder and cheese making and packing sections.

8. Motor Vehicles, tank wagons, trollies, insulated containers, etc. used for transport or distribution of milk products shall always be maintained in clean condition and all the parts coming in contact with milk shall be made of stainless steel or of food grade resin coating impregnated with fibre glass. Every three years the surfaces shall be coated with food grade resin and a certificate thereof shall be kept for inspection in case of resin coated vessels.

9. Adequate CIP systems shall be maintained. Each consisting of hot water, acid and lye tank with necessary pipes and fittings should be provided in such a way that CIP solution is circulated to each and every equipment till all equipment and accessories are cleaned up to required standard.

10. The equipment used for handling Milk and Milk Products shall conform to sanitary standards as may be fixed from time to time by MMPAB.



आदेश

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.भा. 406(घ):—मैं, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (पशु पालन और डेरी विभाग) के आदेश सं. का. भा. 411(अ) तारीख 9 जून, 1992 के साथ पठित दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 31 का उप-पैरा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशु पालन और डेरी विभाग के दुग्ध विकास प्रभाग में सहायक आयुक्त—I और सहायक आयुक्त—II को उक्त आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारों के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

2. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने के प्रयोजनों के लिए सहायक आयुक्त—I का क्षेत्राधिकार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा के राज्य तथा अंडमान और निकोबार, चंडीगढ़ और दिल्ली के संघ राज्य क्षेत्र होंगे।

3. पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए सहायक आयुक्त—II का क्षेत्राधिकार राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल के राज्य तथा दमन और दीव, दादरा, नागर हवेली और लक्षद्वीप के संघ राज्य क्षेत्र होंगे।

[सं. 9-5-92-डी पी]

डी.सी. मित्रा, नियंत्रक और संयुक्त सचिव,

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 406(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (2) of paragraph 31 of the Milk and Milk Products Order, 1992, read with the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Animal Husbandry and Dairying) No. S.O. 411(E) dated the 9th June, 1992, I hereby authorise Assistant Commissioner-I and Assistant Commissioner-II in the Dairy Division of the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture, Government of India to discharge the functions of registering authority under the said Order.

2. The jurisdiction of Assistant Commissioner-I for the purposes of receiving applications for registration shall be the States of Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, Orissa, West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, Nagaland, Mizoram, Manipur, Tripura and Union Territories of Andaman and Nicobar Islands, Chandigarh and Delhi.

3. The jurisdiction of Assistant Commissioner-II for the aforesaid purpose shall be the States of Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Goa, Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Kerala and Union Territories of Dadra and Diu, Dadra and Nagar Haveli and Lakshadweep.

[No. 9-5/92-DP]

D. C. MISRA, Controller and Jt. Secy,

आदेश

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.भा. 407(घ) :—दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप-पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए पैरा यह समाधान हो गया है कि दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में तरल दुग्ध के प्रवाय को बनाए रखने और उसमें अभिवृद्धि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, अब, मैं, दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप-पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात्:—

1. (1) संक्षिप्त नाम और आरंभ: (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दिल्ली (दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह संपूर्ण दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र पर लागू होगा।

1447 GI/92—5

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 16 जुलाई, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या करने से खोप की गई किसी बात के बावजूद उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएं:—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) “नियंत्रण अधिकारी” से आयुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली अभिप्रेत है और इसमें उपायुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले और सहायक आयुक्त खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली है;

(ख) “निर्यात” से संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली के भीतर किसी स्थान से उसके बाहर किसी स्थान को किसी भी रीति से ले जाना या ले जाने देना अभिप्रेत है।

(ग) “दुग्ध” से गाय, बैस, भेड़, बकरी का दुग्ध या उसका कोई संमिश्रण अभिप्रेत है चाहे अपरिष्कृत हो या किसी भी रीति से प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्तेरीकृत, रोगाणुनाशित पुनः संयोजित, मुश्चिकारित, अम्लिकृत, मखनिया, एक टोनित, डबल टोनित, मानकीकृत या संपूर्ण श्रीम दुग्ध है।

(घ) दुग्ध-उत्पाद से निम्नलिखित अभिप्रेत है:—

- (i) संपूर्ण दुग्ध चूर्ण
- (ii) मखनिया दूध चूर्ण
- (iii) संघानत दुग्ध (मधुरित और अमधुरित)
- (iv) पनीर और छेना
- (v) संसाधित चीज
- (vi) खोया
- (vii) खोया, पनीर और छेना से बनी मिठाइयां
- (viii) देशी घी या बटर भाइल (किसी भी नाम से जाना जाता हो)
- (ix) कैंसीन

3. दुग्ध का दुग्ध-उत्पाद के रूप में संपरिवर्तन और दुग्ध उत्पाद के विक्रय, पूर्ति या प्रदाय का प्रतिषेध तथा दुग्ध के निर्यात पर पाबंदी

(क) कोई व्यक्ति किसी दुग्ध उत्पाद के विनिर्माण के लिए दुग्ध का उपयोग नहीं करेगा।

(ख) कोई व्यक्ति संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली से दुग्ध का निर्यात नहीं करेगा या निर्यात नहीं होने देगा।

(ग) कोई व्यक्ति खोया या पनीर या छेना या कैंसीन या खोया, पनीर या छेना से बनी मिठाई का विक्रय पूर्ति या प्रदाय नहीं करेगा और न विक्रय पूर्ति का प्रदाय होने देगा या बिक्री पूर्ति या प्रदाय के लिए रखेगा।

परन्तु इस खंड की कोई बात निम्नलिखित दशा में दुग्ध के उपयोग पर लागू नहीं होगी:—

(i) आइसक्रीम, कुल्फी या कुल्फा के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या प्रदाय के लिए जिसके तैयार करने से खोया, या रबड़ी प्रयुक्त नहीं हुई है;

(ii) ऐसे दुग्ध-उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या प्रदाय और दूध के निर्यात के लिए जो रक्षा बलों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए नियंत्रण अधिकारी के आदेश द्वारा अनुज्ञात किया गया हो;

(iii) ऐसे अवसरों पर और ऐसे नियंत्रणों और शर्तों के अधीन रहते हुए जैसा कि नियंत्रण अधिकारी, द्वारा, आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, खांया, रबड़ी या कोई मिठाई जिसका तैयार करने में घी को छोड़कर दुग्ध या उसका कोई उत्पाद एक संघटक है

(iv) औद्योगिक प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त खट्टे दुग्ध से कैसीन के विनिर्माण के लिए ।

4. प्रवेश करने, तलाशी लेने, अभिग्रहण आदि की शक्ति :—(1) नियंत्रण अधिकारी या कोई मजिस्ट्रेट या सहायक उप निरीक्षक की पंक्ति से प्रयुक्त कोई पुलिस अधिकारी, खाद्य और प्रदाय विभाग, दिल्ली प्रशासन का कोई अधिकारी जो उप निरीक्षक की पंक्ति से कम न हो और आयुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली द्वारा विशेष रूप से अधिकृत दिल्ली प्रशासन के किसी अन्य विभाग का कोई अधिकारी जो उप निरीक्षक की पंक्ति से कम न हो, इस आदेश की पालना सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है, —

(क) दुग्ध के निर्यात या किसी दुग्ध पदार्थ के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आशयित किसी नौका, मोटर या अन्य यान या किसी पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को रोक सकेगा और तलाशी ले सकेगा;

(ख) किसी व्यक्ति से कोई जानकारी दे और दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद से संबंधित संयंत्रों को बगल वाली लेखाबहियों या अन्य वस्तुओं को प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा तथा ऐसी लेखाबहियों या वस्तुओं को जो उसकी राय में इस आदेश के अधीन किसी कार्यवाही से सुसंगत होंगी, अभिग्रहण कर सकेगा;

(ग) किसी स्थान पर या परिसर में किसी दुग्ध या दुग्ध-उत्पाद के साथ-साथ उन पैकेजों, अविष्टकों, पात्रों या मशीनरी जिसमें दुग्ध या दुग्ध-उत्पाद पाए गए हैं या उसके साथ जिससे उक्त दुग्ध उत्पाद का विनिर्माण किया गया है या उन पणुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों को जो दुग्ध या दुग्ध उत्पाद ले जाने के लिए प्रयुक्त हुए हैं का अभिग्रहण कर सकेगा और उसके पश्चात्, उक्त अभिग्रहण किए गए पैकेजों, अविष्टकों, पात्रों या मशीनरी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के लिए "सुरक्षार" के माध्यम से या अन्यथा आवश्यक सभी उपाय करेगा ।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित कण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, यावतशक्य, इस खंड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे ।

5. नियंत्रण अधिकारी की शक्ति—नियंत्रण अधिकारी ऐसा अंतरिम आदेश दे सकेगा जो वह दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में दुग्ध का प्रदाय बनाए रखने के लिए अभिग्रहण किए दुग्ध या दुग्ध-उत्पाद के उपयोग के संबंध में अवश्य समझे ।

[फा. सं. 9-5/92-बी पी]  
डी. सी. मिश्रा, नियंत्रक

## ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 407(E)—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the Union territory of Delhi, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following Order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Delhi (Milk and Milk Product) Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the Union territory of Delhi.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on 16th July, 1992 :

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation.

2. Definition.—In the order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Controlling Officer" means Commissioner Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi, and includes Deputy Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, and Assistant Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi;

(b) "Export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the Union territory of Delhi to any place outside it;

(c) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned double toned, standardised or full cream milk;

(d) "Milk Product" means :—

- (i) Whole Milk Powder;
- (ii) Skimmed Milk Powder;
- (iii) Condensed Milk (Sweetened and un-sweetened);
- (iv) Paneer and Channa;
- (v) Processed Cheese;
- (vi) Khoya;
- (vii) Sweets made from Khoya, Paneer and Channa;
- (viii) Desi ghee or butter oil (by whatever name called);
- (ix) Casein;

3. Prohibition on conversion of milk into milk product and sale, service or supply of milk product and ban on the export of milk.

(a) No person shall use milk for manufacture of any milk product.

(b) No person shall export or cause to be exported milk from the Union territory of Delhi.

(c) No person shall sell, serve or supply or cause to be sold, served or supplied or possess for sale, service or supply Khoya or Paneer or Channa or Casein or sweets made from Khoya, Paneer or Channa :

Provided that nothing in this clause shall apply to use of milk,—

(i) for the manufacture, sale, service or supply of ice-cream, kulfi or kulfa in the preparation of which no khoya or rubree is used;

(ii) for the manufacture, sale service or supply of such milk product and export of milk as the Controlling Officer may, having regard to the needs of the Defence Forces, by an order, permit;

(iii) for the manufacture, sale, service, supply or export of khoya, rubree or any sweets in the preparation of which milk or any of its products except ghee in an ingredient on such occasions and subject to such terms and conditions as the Controlling Officer may by order, specify;

- (iv) for the manufacture of casein from sour milk used for industrial purposes.

4. Power of entry, search, seizure etc.—(1) The Controlling Officer or any Magistrate or any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any officer of the Food and Supplies Department, Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector and any officer of any other Department of the Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector specially authorised by the Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi may, with a view to securing compliance with this order or to satisfy himself that this order is being complied, with,—

- (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for manufacture of any milk product;
- (b) require any person to give any information and to produce books of account or other document showing transaction relating to milk or milk product and seize any such books of account or documents which in his opinion would be relevant to any proceedings under this Order;
- (c) seize any milk or milk product in any place or premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk product are found or with which such milk product are manufactured, or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk product and thereafter take all measures necessary through a 'superdar' or otherwise for securing the production of the packages, coverings, receptacles or machinery so seized in court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

5. Power of Controlling Officer.—The Controlling Officer may pass such ad interim order as he considers necessary regarding utilization of milk or milk product seized to maintain the supply of milk in the Union Territory of Delhi.

[F. No. 9-5/92-DP]  
D. C. MISRA, Controller

आदेश

मई दिल्ली, 9 जून, 1992

कांसा 408 (अ)—दुध और दुध-उत्पाद आदेश 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों का ध्यान में रखते हुए मेरा यह समाधान हो गया है कि राजस्थान राज्य में तरल दुध के प्रवाय को बचाए रखने और उसमें अभिवृद्धि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, अब, मैं, दुध और दुध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरम्भ:

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम राजस्थान (दुध निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह सम्पूर्ण राजस्थान राज्य पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 1 अगस्त, 1992 को प्रभावी हो जाएगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या करने से लोप की गई किसी बात के बावजूद उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएँ:—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न

(क) "निर्यात" से राजस्थान राज्य में किसी स्थान से भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर किसी स्थान की किसी भी रीति से ले जाना या जाने ले देना अभिप्रेत है।

(ख) "दुध" से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का दुध या उसका कोई समिश्रण अभिप्रेत है चाहे अपरिष्कृत रूप में हो या किसी रीति में प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्चरीकृत, रोगाणु नाशित, पुनः संयोजित, मूलनिकारित, घम्लीकृत, मखनिया, टॉफ, डबल टॉफ, मानकीकृत या संपूर्ण कोम दुध है।

3. दुध निर्यात का प्रतिषेध:—राज्य में विभिन्न स्थानों पर निम्न एककों के साथ राजस्थान कोऑपरेटिव डेरी फेडरेशन लि., जयपुर में सिवा कोई व्यक्ति राजस्थान राज्य से बाहर दुध का निर्यात नहीं करेगा और निर्यात नहीं होने देगा।

4. प्रवेश करने, तलाशी लेने और अभिग्रहण करने आदि की शक्ति  
(1) कलक्टर, जे. एंड. अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस उप अधीक्षक का पंक्ति से अर्जुन कोई पुलिस अधिकारी, प्रवर्तन निरीक्षक का पंक्ति से अर्जुन साथ और नागरिक प्रवाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार राजपत्र में अधिगृहणा द्वारा इस निमित्त नियुक्त करें, इस आदेश की पालना सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अथवा यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है।

(क) तरल दुध के निर्यात के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए प्राप्त किसी नौका, मोटर या अन्य यान या किसी पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को रोक सकेगा और तलाशी ले सकेगा।

(ख) किसी ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा; जो दुध के द्विनिर्माण, त्रिकय, पुनः या प्रदाय के लिए प्रयोग की जाती है।

(ग) किसी दुध या किसी स्टॉक का अभिग्रहण कर सकेगा जिसको बावजूद उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है।

(घ) किसी स्थान पर या परिसर में पैकेजों, पाकेटों, पात्रों या मशीनरी के साथ जिनमें दुध पाया गया हो या निर्यात के लिए दुध ले जाने के लिए प्रयुक्त पशुओं, यानों, नौकाओं या अन्य प्रवृत्तों का अभिग्रहण या अभिग्रहण प्राधिकृत कर सकेगा और उसके परवान इस प्रकार अभिगृहीत पैकेजों, पात्रों, यानों, मशीनरी, पशुओं, यानों, जलवातों, नौकाओं या प्रवृत्तों का कलक्टर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनको गुरुतिन अभिरक्षा सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक उपाय करेगा।

(ङ) किसी व्यक्ति को जो दुध के किसी ऐसे स्टाक का स्वामी हो या उसके कब्जे में है जिसको बावजूद उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है लिखित आदेश द्वारा यह निर्देश दे सकेगा कि दुध के ऐसे स्टाक या पैकेज, आर्बैटक या पात्र जिनमें उक्त दुध पाया गया है या दुध के बर्तन में प्रयुक्त किसी पशु, यान, जलवात या अन्य प्रवृत्त को तब आदेश देने वाले अधिकारी के अवधि निर्देशों के बिना किसी भी रीति में हटाया या व्यवहृत कर।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, याचनशक्ति, इस अधिनियम की गई तलाशी और अभिग्रहण को लागू होगी।

[F. No. 9-5/92-DP]  
डॉ. सी. मिश्रा, नियंत्रक

## ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 408(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Rajasthan, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Rajasthan (Milk Export) Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the State of Rajasthan.

(3) It shall come into force with effect from the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on 1st August, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation.

2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place from the State of Rajasthan to any place outside the State;
- (b) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurized, sterilized, recombinant, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk.

3. Prohibition of export of milk.—No person other than the Rajasthan Co-operative Dairy Federation Ltd., Jaipur with the units at various places in the State shall export or cause to be exported milk out of the State of Rajasthan.

4. Power of entry, search, seizure, etc.—(1) The Collector, sub-Divisional Officer Tehsildar, any Police Officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police, any Officer of the Food and Civil Supplies Department not below the rank of Enforcement Inspector or any other Officer whom the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint in this behalf may, with a view to securing compliance of this order or for satisfying himself that this order is being complied with :—

- (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for the export of liquid milk;
- (b) enter and search any place or premises which is used for the manufacture, sale, service or supply of milk;
- (c) seize any stock or any milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of any of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed;
- (d) seize or authorise the seizure of any milk in any place or premises together with packages, covering receptacles or machinery in which milk is found or the animals, vehicles, boats or other conveyance used for carrying milk for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, coverings receptacles, machinery, animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance so seized before the Collector and their safe custody pending such production;
- (e) direct by an order in writing any person who owns or is in possession of any stocks of milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed, not to remove or dispose off in any manner such stock of milk or package, covering or receptacle in which such milk is found, or any animal, vehicle, vessel or other

conveyance used in carrying milk without further direction from the officer making such order.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to search and seizure, under this clause.

[File No. 9-5/92-DP]  
D. C. MISRA, Controller

प्रादेश

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.प्रा. 409(घ).—दुग्ध और दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में ब्रिनिफिट बातों को ध्यान में रखते हुए, मेरा यह समाधान हो गया है कि गुजरात राज्य में तरल दुग्ध के प्रवाय को बनाए रखने और उसमें प्रभिवृद्धि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, अब, मैं दुग्ध और दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरंभ :—

- (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम गुजरात (दुग्ध निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1992 है।
- (2) यह संपूर्ण गुजरात राज्य पर लागू होगा।
- (3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 1 अगस्त, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या करने से बचोप की गई किसी बात की बावत उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएँ :—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- (क) "निर्यात" से गुजरात राज्य में किसी स्थान से भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर किसी स्थान को किसी भी रीति से ले जाना या ले जाने देना अभिप्रेत है।
- (ख) "दुग्ध से गाद, घी, भेड़, बकरा, का दुग्ध या उसका कोई समिश्रण अभिप्रेत है चाहे अपरिष्कृत हो या किसी भी रीति से प्रसंस्कृत हो और इसमें पारस्परिकृत, रोगाणुनाशित पुनः संयोजित, सृजित कारित, अभिषेक, मखनिया, टॉड, डबल टॉड मानकीकृत या संपूर्ण क्रिम दुग्ध है।

3. दुग्ध निर्यात का प्रतिषेध :—

कोई व्यक्ति गुजरात राज्य से दुग्ध का निर्यात नहीं करेगा।

4. प्रवेश करने, तलाशी लेने और अभियन्तण आदि की शक्ति.

(1) कन्स्टेबल उदयशंकर अधिकारी, मामलातदार, पुलिस उप अधीक्षक की पंक्ति से अन्य कोई पुलिस अधिकारी, प्रवर्तन निरीक्षक की पंक्ति से अन्य अधिकारी और नागरिक प्रवाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार राजपत्र अधिसूचना द्वारा इस निमित्त नियुक्त करे इस आदेश का पालना सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है :—

- (क) तरल दुग्ध के निर्यात के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए छाणयित किसी नौका, मोटर या अन्य यान या कोई पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को गैर सकेता और तलाशी ले सकेगा;



- (ख) किसी ऐसे स्थान या परिवहन में प्रयोग कर सकेगा जो उद्योगों के मालिकों या दुग्ध के निर्यात, विक्रय, पूर्ण या प्रसंस्कृत के लिए प्रयोग की जानेवाली है।
- (ग) किसी दुग्ध या किसी स्टाक का अभिव्यक्ति कर सकेगा जिसकी बाबत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है,
- (घ) किसी स्थान पर या परिवहन में पैकेजों, आउटलेटों, पात्रों या मशीनों के साथ जिनमें दुग्ध पाया गया हो या निर्यात के लिए दुग्ध ले जाने के लिए प्रयुक्त पशुओं, यानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों का अभिव्यक्ति या अभिव्यक्ति को प्राधिकृत कर सकेगा और उसके पश्चात् इस प्रकार अभिव्यक्ति पैकेजों, आउटलेटों, पात्रों, मशीनों, पशुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या अन्य प्रवहनों का कलक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनके सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक उपाय करेगा।
- (ङ) किसी व्यक्ति को जो दुग्ध के किसी ऐसे स्टाक का स्वामी है या उसके कब्जे में है जिसकी बाबत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, या किया जा रहा है या किया जाने वाला है लिखित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि दुग्ध के ऐसे स्टाक या पैकेज, आउटलेट या पात्र जिसमें उक्त दुग्ध पाया गया है या दुग्ध के वहन में प्रयुक्त किसी पशु, या जलयान या अन्य प्रवहन को ऐसे आदेश देने वाले अधिकारी के अगले निदेश के बिना किसी भी रीति से हटाए या ध्वस्त करे।

(2) तलाशी और अभिव्यक्ति से संबंधित दंड प्रक्रिया प्रहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, यावत शक्य, इस खंड के अधीन की गई तलाशी और अभिव्यक्ति को लागू होंगे।

[फा.सं. 9-5/92-डीपी  
डी.सी. मिश्रा, नियंत्रक]

### ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 409(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Gujarat, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Gujarat (Milk Export) Control Order, 1992.

(3) It shall come into force on the date of publication in the

(3) It shall come into force on the date of publication in the Official Gazette and shall cease to operate on the 1st August, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation,

2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Export" means to take or cause to be taken by any means whatsoever, out of any place from the State of Gujarat to any place within the territory of India;
- (b) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any

manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk.

3. Prohibition on export of milk.—No person shall export milk from the State of Gujarat.

4. Power of entry, search, seizure, etc.—(1) The Collector, sub-Divisional Officer, Mamlatdar, any Police Officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police, any Officer of the Food and Civil Supplies Department not below the rank of Enforcement Inspector or any other Officer whom the State Government may, by notification in the Official Gazette appoint in this behalf may, with a view to securing compliance of this order or for satisfying himself that this order is being complied with :—

- (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for the export of liquid milk;
- (b) enter and search any place or premises which is used for the manufacture, sale, service or supply of milk;
- (c) seize any stock or any milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of any of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed;
- (d) seize or authorise the seizure of any milk in any place or premises together with packages, covering receptacles or machinery in which milk is found or the animals, vehicles, boats or other conveyance used for carrying milk for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, coverings receptacles, machinery, animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance so seized before the Collector and their safe custody pending such production;
- (e) direct by an order in writing any person who owns or is in possession of any stocks of milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed, not to remove or dispose off in any manner such stock of milk or package, covering or receptacle in which such milk is found, or any animal, vehicle, vessel or other conveyance used in carrying milk without further direction from the officer making such order.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to search and seizure, under this clause.

[File No. 9-5/92-DPI  
D. C. MISRA, Controller]

आदेश

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.प्र. 410 (प्र) :—दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनिर्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए मेरा यह समाधान हो गया है कि मध्यप्रदेश राज्य में तरल दुग्ध के प्रसार को बनाए रखने और उसमें अभिव्यक्ति के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, अब, मैं दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उपपैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरंभ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश (दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह संपूर्ण मध्यप्रदेश राज्य पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 31 जुलाई, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा;



परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या करने से लोप की गई किसी बात की बावत उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएं:—इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "निर्यात" से मध्यप्रदेश राज्य में किसी स्थान से राज्य के बाहर किसी स्थान को किसी भी रीति में ले जाना या ले जाने देना अभिप्रेत है।
- (ख) "बुग्घ" से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का बुग्घ या उसका कोई सममिश्रण अभिप्रेत है जोड़े अग्ररूपकृत हो या किसी भी रीति में संस्कृत हो और इसमें पास्तेरीकृत, रोगाणू नाशित, पुनः संयोजित, सुविकारित, अम्लीकृत, मखनिया, टोनिट, डबल टोनिट, मानकीकृत या संपूर्ण क्रिम बुग्घ है।

(ग) "बुग्घ-उत्पाद" से अभिप्रेत है:—

- (1) खोया (चाहे किसी भी नाम से जाना जाना हो);
- (2) पनीर और डेना
- (3) रबड़ी;
- (4) मखनिया बुग्घ का केसीन
- (5) उपखंड (i) से (iv) में विनिर्दिष्ट किसी भी उत्पाद से निमित्त मिठाई।

3. बुग्घ या बुग्घ उत्पाद के निर्यात का प्रतिषेध:—कोई व्यक्ति कारबार या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए बुग्घ या बुग्घ-उत्पाद का निर्यात नहीं करेगा।

परन्तु इस खंड की कोई बात विल्ली बुग्घ योजना और मवर डेरी, विल्ली की तरल बुग्घ प्रदाय पर लागू नहीं होगी।

4. बुग्घ उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति और प्रदाय का प्रतिषेध:—कोई व्यक्ति,—

- (क) कारबार या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किसी बुग्घ-उत्पाद के विनिर्माण या तैयार करने के लिए बुग्घ का उपयोग नहीं करेगा; या
- (ख) कारबार या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए प्रत्येक मामले में, किसी बुग्घ-उत्पाद का विक्रय, पूर्ति या प्रदाय नहीं करेगा या विक्रय, पूर्ति या प्रदाय नहीं होने देगा।

5. प्रवेश करने, तलाशी लेने और अभिग्रहण करने की शक्ति:—

- (1) नायब-तहसीलदार से अन्यून पंक्ति का कोई राजस्व अधिकारी या खास और नागरिक प्रदाय निरीक्षक से अन्यून पंक्ति का खास और नागरिक प्रदाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, इस आदेश की पालना सुनिश्चित करने की शक्ति से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है:—

- (क) बुग्घ के निर्यात या किसी बुग्घ पदार्थ के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आशयित किसी नौका, मोटर या अन्य यान या किसी पात्र या मशीनरी या किसी व्यक्ति को रोक सकेगा और तलाशी ले सकेगा;
- (ख) किसी स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा;
- (ग) किसी बुग्घ या किसी बुग्घ पदार्थ का जिसकी बावत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है, उन पैकेजों, आवेष्टकों, पत्रों या

मशीनरी के साथ-साथ जिनमें बुग्घ पाया गया हो या निर्यात के लिए बुग्घ ले जाने के लिए प्रयुक्त वस्तुओं, यानों, नौकाओं या अन्य वस्तुओं का अभिग्रहण या अभिग्रहण प्राधिकृत कर सकेगा और उसके पश्चात् इस प्रकार अभिग्रहीत पैकेजों, आवेष्टकों, पत्रों, मशीनरी, वस्तुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या वस्तुओं, का कलक्टर या न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के आवश्यक सभी उपाय करेगा या किए गए उपायों को प्राधिकृत करेगा।

(2) तलाशी और अभिग्रहण से संबंधित बण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 चा 3) की धारा 100 के उपबंध, यावतशक्य, इस खण्ड के अधीन की गई तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे।

6. छूट:—इस आदेश की कोई बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी:—

(क) बुग्घ और बुग्घ उत्पाद के उत्पादन, विक्रय, विनिर्माण, प्रसंस्करण, परिवहन, भंडारण में लगी हुई मध्य प्रदेश सहकारी सोंसाइटी अधिनियम, 1960 के अन्तर्गत रजिस्ट्रिकृत कोई सहकारी सोंसाइटी;

(ख) कई, बटर, बुग्घ घटर, घी, आइसक्रीम या कूल्फी का विनिर्माण या निमित्त जिसमें खोया या रबड़ी का प्रयोग नहीं किया गया है।

[फा.सं. 8-5/92-डीपं.]

डॉ. सी. मिश्रा, नियंत्रक

New Delhi, the 9th June, 1992

#### ORDER

S.O. 410(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Madhya Pradesh, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely:—

#### 1. Short title extent and operation

- (1) This Order may be called the Madhya Pradesh (Milk and Milk Product) Control Order, 1992.
- (2) It extends to the whole of Madhya Pradesh.
- (3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on the 31st July, 1992.

Provided that the expiry of this order shall not affect the operation thereof in respects of things done or omitted to be done before such cesser of operation.

#### 2. Definitions.—In this order, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Export' means take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place from the State of Madhya Pradesh to any place outside the State.
- (b) 'Milk' means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilised, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;
- (c) 'Milk product' means,—
  - (i) Khoya (by whatever name called);
  - (ii) Pancer and channa;
  - (iii) Rubree;
  - (iv) Casein of skimmed milk;
  - (v) Sweets made from any of the products specified in sub-clauses (i) to (iv).

3. Prohibition of export of milk or milk products.—No person shall export for business or commercial purposes milk or milk product.

Provided that nothing in this clause shall apply to supply of liquid milk to the Delhi Milk Scheme and Mother Dairy, Delhi.

4. Prohibition of manufacture, sale, service and supply of milk product :—

No person shall,—

- (a) Use for business or commercial purposes milk for manufacture or preparation of any milk product; or
- (b) Sell, serve, supply or cause to be sold, served or supplied any milk product, in each case, for business or commercial purpose.

5. Powers of entry, search and seizure:—

- (1) Any Revenue officer not below the rank of a Naib Tehsildar, any officer of Food and Civil Supplies Department not below the rank of an Assistant Food and Civil Supplies Inspector or any other officer authorised in this behalf by the State Government may, with a view to securing compliance with the order or satisfying himself that this order has been complied with :—

- (a) Stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for manufacture of any milk product;
- (b) enter and search any place or premises;
- (c) seize or authorise the seizure of milk or milk product in respect of which he has reason to believe that any provision of this order has been, is being or is about to be contravened alongwith the packages, coverings or receptacles in which milk or milk product is found or machinery which is believed to be used for manufacture of milk product, vehicles, animals, vessels, boats or conveyances used in carrying milk or milk product and thereafter take or authorise the taking of all measures necessary for securing the production of packages, coverings, receptacle, animals, vehicles, vessels, boats or conveyance, so seized before the Collector or the Court and for their safe custody pending such production.

- (2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

6. Exemption.—Nothing in this order shall apply to,—

- (a) Any cooperative society registered under the Madhya Pradesh Cooperative Society Act, 1960 engaged in the production, sale, manufacture, processing, transport, storage of milk and milk products;
- (b) manufacture or preparation of curd, butter, milk butter, ghee, Ice-cream or Kulfi in which no khoya or rubree is used.

[F. No. 9-5/92-DP]  
D. C. MISRA, Controller

आदेश

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.प्र. 411 (अ) :—मैं, दुग्ध और दुग्ध उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 31 के उप-पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय के पशु पालन और डेरी विभाग में भारत सरकार के दुग्ध विकास के प्रभारी संयुक्त सचिव को, इस आदेश को तारांक से छह मास की अवधि के लिए या उक्त आदेश के पैरा 12 के अधीन नियंत्रक का नियुक्ति का तारांक तक, जो भी पूर्वतन हो, नियंत्रक के कृत्यों के निर्वहन के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

[सं. 9-5/92-अपा]

पा.जा. मुरलीधरन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 411(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 31 of the Milk and Milk Products Order, 1992, I hereby authorise the Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development in the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture to perform the functions of the Controller for a period of six months from the date of this Order or till the date of appointment of a Controller under paragraph 12 of the said Order, whichever is earlier.

[No. 9-5/92-DP]  
P. G. MURALIDHARAN, Secy.

